दैनिक
इंटीग्रेटेड ट्रेड
डेवलपमेंट सेंटर न्यूज

आईटीडीसी इंडिया ईप्रेस | 2018 में स्थापित | ITDCNEWS.COM

आरएनआई नं.
MPHIN/2018/77221
डाक पंजीयन नं.
MP/BHOPAL/4-504/2020-22

वर्ष-5 अंक-112, भोपाल शनिवार 5 मार्च 2022, पृष्ठ-8, मूल्य-2 रुपए

सुविचार

"यदि आप गलती नहीं कर सकते हैं तो आप कुछ नहीं कर सकते हैं।"
- मार्वा कोलिन्स

12 रुपए लीटर तक बढ़ सकते हैं पेट्रोल- डीजल के दाम

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश सहित बाकी के राज्यों में विधानसभा चुनाव खत्म होने के बाद पेट्रोल और डीजल के दाम में 12 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी हो सकती है। पिछले चार महीने से पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर हैं। अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमतें गुरुवार को नौ साल में पहली बार 120 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच गई और शुक्रवार को थोड़ा कम होकर 111 अमेरिकी डॉलर पर आ गई, लेकिन लागत और खुदरा दरों के बीच की खाई बढ़ गई। आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज ने एक रिपोर्ट में कहा कि तेल कंपनियों के लिए मार्जिन को शामिल करने के बाद कीमतों में 15.1 रुपये की बढ़ोतरी की जरूरत है। तेल मंत्रालय के पेट्रोलियम प्लानिंग एंड एनालिसिस सेल (पीपीएसी) की जानकारी के मुताबिक, भारत में कच्चे तेल की खरीदारी 3 मार्च को बढ़कर 117.39 डॉलर प्रति बैरल हो गई, जो 2012 के बाद सबसे ज्यादा है। यह पिछले साल नवंबर की शुरुआत में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में ठंड के समय कच्चे तेल की इंडियन बास्केट के औसत 81.5 डॉलर प्रति बैरल की तुलना में है।

टीम इंडिया का स्कोर 357/6 शतक से चूके ऋषभ पंत

मोहाली। भारत और श्रीलंका के बीच मोहाली टेस्ट के पहले दिन का खेल खत्म हो गया है। दिन की समाप्ति तक टीम इंडिया का स्कोर 6 विकेट के नुकसान पर 357 रन रहा। रवींद्र जडेजा 45 और आर अश्विन 10 रन के स्कोर पर नाबाद है। ऋषभ पंत 97 गेंदों पर 96 रन बनाकर आउट हुए। सुरंगा लकमल ने दूसरी नई गेंद से उन्हें आउट किया। पंत और जडेजा के बीच 104 रन की पार्टनरशिप हुई। पंत ने पारी के 76वें ओवर में लसिथ एमबुलडेनिया के खिलाफ 22 रन बनाए। उन्होंने पहली दो गेंदों पर लगातार दो छक्के जड़े। तीसरी गेंद पर चौका जड़ा। चौथी गेंद डॉट बॉल रही। पांचवीं गेंद पर दो रन बनाए और छठी गेंद पर एक और चौका जमा दिया। 77वें ओवर में चौथी गेंद पर उन्हें फिर स्ट्राइक मिली। इस पर उन्होंने चौका जमाया।

बाल-बाल बची दो ट्रेनें! कवच ने रोक दी आमने-सामने की टक्कर

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे के लिए आज का दिन ऐतिहासिक रहा। रेलवे ने कवच तकनीक का सफल परीक्षण किया। दो ट्रेनों को आमने-सामने चलाया गया, जिसमें एक ट्रेन में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव मौजूद थे, तो दूसरी ट्रेन में रेलवे बोर्ड के चेयरमैन समेत अन्य अधिकारी मौजूद थे। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस परीक्षण के कई वीडियोज ट्विटर अकाउंट पर शेयर किए हैं।

बता दें कि जिस ट्रेन में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव सवार थे, वह ट्रेन सामने से आ रही ट्रेन से 380 मीटर पहले ही रुक गई। कवच तकनीक की वजह से ही ट्रेन में अपने आप ब्रेक लग गए। रेल मंत्री द्वारा एक मिनट का वीडियो शेयर किया गया है, जिसमें लोकोपायलट वाले केबिन में रेल मंत्री समेत अन्य अधिकारी दिखाई दे रहे हैं। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने ट्वीट किया कि रियर-एंड टक्कर परीक्षण सफल रहा है। कवच ने अन्य लोको से 380 मीटर पहले लोको को स्वचालित रूप से रोक दिया।

दुर्ग में ओवरब्रिज से नीचे गिरा ट्रक चार की मौत

दुर्ग। छत्तीसगढ़ के दुर्ग में गुरुवार देर रात एक ट्रक ओवरब्रिज से नीचे गिरने से 4 लोगों की मौत हो गई। पुल पर ट्रक बाइक सवारों को टक्कर मारते हुए उन्हें लेकर सीधा नीचे खड़ी पिकअप पर गिरा। मृतकों में ट्रक चालक सहित बाइक सवार तीन लोग शामिल हैं। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू करवाया। इस दौरान चालक का शव ट्रक में ही फंस गया। उसे 4 घंटे की मशक्कत के बाद बाहर निकाला जा सका। दुर्ग में पिछले तीन दिन में यह तीसरा बड़ा सड़क हादसा है।

मोहन नगर टीआई जितेंद्र वर्मा ने बताया कि दुर्घटना गुरुवार देर रात 12 से 12.30 बजे के बीच की है। दुर्ग से धमधा की ओर जा रहे ट्रक ने धमधा नाका रेलवे फ्लाई ओवरब्रिज के ऊपर सामने आ रही बाइक को टक्कर मार दी। बताया जा रहा है कि ड्राइवर मुकेश बारले (45) इतनी ज्यादा रफ्तार में था कि सामने से आ रही बाइक को देखकर ट्रक कंट्रोल नहीं कर पाया। इससे वह बाइक को चपेट में लेते हुए ब्रिज के नीचे गिर गया।

घटना में बाइक सवार तीन लोगों व ट्रक ड्राइवर की मौके पर ही मौत हो गई। ब्रिज से नीचे गिरने के चलते ट्रक के परखच्चे उड़ गए थे। ड्राइवर का शव ट्रक में फंसा रह गया। पुलिस ने लगभग 4 घंटे की मशक्कत के बाद चालक को बाहर निकाला। इसके बाद चारों शवों को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है। देर रात जब ट्रक ओवरब्रिज की रेलिंग को तोड़ते हुए नीचे गिरा तो नीचे एक पिकअप और बाइक खड़ी थी। इसके चलते पिकअप और बाइक भी क्षतिग्रस्त हो गई।

सड़क दुर्घटना में बालोद सिफोसा निवासी

ट्रक ड्राइवर महेश बारले पिता गेंदलाल, बाइक सवार दुर्ग लुचकी पारा निवासी तौसिफ खान (26) पिता स्व. हनीफ खान, दुर्ग तकियापारा निवासी साहिल खान (23) पिता शेख करीम और दुर्ग चुलकी पारा निवासी मो. अमन (26) पिता मो. उस्मान की मौत हुई है।

24 घंटे में 3 सड़क हादसे 7 लोगों की मौत

दुर्ग जिले में गुरुवार की देर रात 2.30 बजे दुर्ग पद्मनाभपुर फ्लाई ओवर परहुई। इसमें एक तेज रफ्तार स्कार्पियों ने सामने से आ रहे बाइक सवार दो लोगों को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि लोकेश डहरे बाइक सहित ब्रिज के नीचे जा गिरी और उसकी मौत हो गई। वहीं तीन अन्य लोग घायल हो गए थे। इसमें से देवसिंह व यशवंत को गंभीर हालत में मेकाहारा रायपुर रेफर करना पड़ा था। दूसरी सड़क दुर्घटना गुरुवार सुबह 11 बजे के करीब खुर्सीपार थाना अंतर्गत डबरापारा चौक में एक ट्रक ने डाक बंगला पारा पुरैना निवासी अश्विनी मिश्रा (30) और उसकी मां शशि मिश्रा (50) को टक्कर मार दी, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। दोनों मां बेटे स्कूटी से जा रहे थे कि ट्रक ने उन्हें पूरी तरह से कुचल दिया।

मीरजापुर में बोले पीएम मोदी बेटे की तरह नमक का कर्ज चुकाता रहूंगा

मीरजापुर, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सिटी ब्लाक के बरकछा में शुक्रवार को जनसभा को संबोधित करने पहुंचे। प्रधानमंत्री के आगमन में पूर्व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी कार्यक्रम स्थल पर निजी हेलीकाप्टर से दोपहर 11.55 पर पहुंचें। केंद्रीय राज्यमंत्री कानून एवं न्याय एसपी बघेल भी आयोजन में शामिल हुए हैं। भारतीय जनता के पदाधिकारी जनसभा को सफल बनाने में तो प्रशासनिक अमला प्रधानमंत्री की सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता करने में लगा रहा। इसके पूर्व भाजपा जिला कार्यालय बरौंधा कचार स्थित सभाकक्ष में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जनसभा की तैयारी को लेकर राष्ट्रीय महासचिव भाजपा एवं राज्यसभा सांसद अरुण सिंह के नेतृत्व में समीक्षा बैठक की गई। पीएम ने परिवारवाद पर विपक्ष को घेरा और वंदेभारत, देवीशक्ति और आपरेशन गंगा में देश के नागरिकों को वापस लाने के प्रयासों की जानकारी दी। कहा कि जिस अभियान से गंगा का नाम जुड़ा हो वह जरूर पूरा होता है। विंध्याचल का मानक समय पूरे देश का समय तय करता है। यहां का विकास देश को गति देता है। भारत का सामर्थ्य बढ़ाने के लिए मीरजापुर भदोही के लोगों का एक वोट भाजपा के पक्ष में पड़ना जरूरी है। भावना राष्ट्रभक्ति के साथ ईमानदार नेतृत्व चाहिए जो विकास के लिए मेहनत करे। यह घोर परिवारवादियों का पन्ना काली स्याही से रंगा हुआ है। इतिहास आप अच्छी तरह जानते हैं। इनका इतिहास हजारों करोड़ घोटाला और यूपी को लूटने के साथ आतंकियों और दंगाइयों को संरक्षण का है। अपराधियों को पालने पोसने का है।

यह देश यूपी का भला नहीं कर सकते है। समाज को तोड़ा और बांटो करके यूपी को लूटने की मंशा रहती है। मेहतन करना, मदद करना, चिंता करना इनसे नहीं होता। यूपी और देश को ताकतवर यह नहीं बना सकते। इसलिए देश के साथ मिलकर कंधे से कंधा मिलाकर सपने को साकार करना है। इस सदी में ताकत देश की बढ़ रही है। कोरोना काल में भी हमने देखा है। दुनिया के बड़े देश पस्त पड़ गए लेकिन भारत दो साल से 80 करोड़ नागरिकों को मुफ्त राशन दे रहा है। गरीब का चूल्हा बुझना नहीं चाहिए। हमारी सरकार दो लाख साठ हजार

करोड़ खर्च कर गरीबों का चूल्हा जला रही है। गरीब मां कह रही है मेरे लिए शब्द नहीं आशीर्वाद होता है। माताओं बहनों को कहता हूं नमक आपने नहीं खाया है नमक मैने खाया है। आपने मुझे जो नमक खिलाया है उसे जीवन भर बेटे की तरह कर्ज चुकाता रहूंगा। लोगों के खाते में हजारों करोड़ रुपये कोरोना काल में भेजे हैं। किसानों के खाते में सीधे सवा लाख करोड़ रुपये दिए हैं। मीरजापुर के किसानों को 400 करोड़ से अधिक भदोही के किसानों को 250 करोड भेजे हैं। इससे गरीब को प्राथमिकता दी गई है। नागरिकों को वैक्सीन के लिए विदेशों में हजारों खर्च करना पड़ रहा है। भारत में फ्री वैक्सीन लग रहा है। भारत आज यह इसलिए कर पा रहा है क्योंकि आपने वोट देकर गरीब कल्याण को प्राथमिकता वाली सरकार बनाई है। मुझे खुशी है केंद्र यहां जो पैसा भेजती है तो योगी सरकार गरीबों पर ही खर्च करती है। पहले पीएम कहते थे दिल्ली से एक रुपया भेजने पर 15 पैसा हो जाता है। यह मोदी योगी हैं जहां पैसा सही जगह पूरा पहुंचता है। यूपी के विकास के लिए डबल इंजन की सरकार लगातार चाहिए। घोर परिवारवादियों के कुशासन का नुकसान गरीबों, दलितों और पिछड़ों के साथ आदिवासियों और मां बहनों ने भुगता है। आपसे निवेदन है कि बहन बेटियों को सताने वालों को सजा देने का समय है। दोबारा कभी बहन बेटियों को कोई ताकि संकट न आए। इस धरती ने सोने लाल पटेल जैसे नेता दिए हैं। सरदार पटेल के सपनों को जीवन का संकल्प दिया और समर्पित किया है। गरीबों को परिवारवादियों ने लाभ नहीं पहुंचने दिया। गरीबों को घर के लिए वादा नहीं संकल्प है। करोड़ों घर बन चुके हैं, शेष भी हो रहे हैं। आंकड़ा सुनकर हैरान होंगे कि मीरजापुर शहर में गरीबों के लिए उनकी सरकार थी तो 800 घर गरीबों के पांच साल में बनाए। लेकिन योगी सरकार में 40 हजार से अधिक आवास मीरजापुर के गरीबों को स्वीकृत किए। योगी सरकार में 28 हजार आवास बनकर तैयार हैं। आप आठ सौ या 28 हजार घर बनाने वालों को वोट करेंगे छोटे कारोबारियों के लिए भी मौका मिला है।

भोपाल। मप्र के गृहमंत्री शुक्रवार को मंत्रालय में मध्यप्रदेश हेरिटेज मदिरा नीति 2022 के संबंध में मंत्रिमंडल उपसमिति की बैठक में शामिल हुए। बैठक में आबकारी मंत्री श्री जगदीश देवड़ा जी, वन मंत्री श्री विजय शाह जी, स्वास्थ्य मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी जी सहित अन्य उच्च अधिकारीगण उपस्थित रहे।

यूक्रेन के परमाणु संयत्र पर हुए हमले में तीन यूक्रेनी सैनिकों की गई जान

मास्को, एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच छिड़ी जंग और भी ज्यादा अक्रामक होती जा रही है। इस बीच, बेलारूस के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको ने शुक्रवार को कहा कि बेलारूसी सशस्त्र बल यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में भाग नहीं ले रहे हैं।

साथ ही उन्होंने कहा कि यूक्रेन में रूस के सैन्य अभियान में हमारी सेना भाग नहीं लेंगी। रूस के एक करीबी सहयोगी लुकाशेंको ने कहा कि उन्होंने शुक्रवार को राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से टेलीफोन पर लंबी बातचीत की है। बता दें कि रूस ने यूक्रेन पर बहु-आयामी आक्रमण करने के लिए बेलारूसी क्षेत्र का उपयोग किया है। यूक्रेनी के परमाणु कंपनी का कहना है कि परमाणु संयंत्र पर रूसी हमले में 3 यूक्रेनी सैनिक मारे गए और 2 घायल हुए हैं। यूक्रेन के जपोरिजिया परमाणु बिजली संयंत्र पर रूसी हमले के बाद वहां विकिरण का बड़ा खतरा पैदा हो गया है।

भागलपुर में बम बनाते समय धमाका, 4 मकान जमींदोज, 14 की मौत

भागलपुर, एजेंसी। बिहार के भागलपुर में बम बनाते समय हुए विस्फोट में 14 लोगों की मौत हो गई है। शहर के काजवली चक इलाके में गुरुवार रात करीब 11.30 बजे जबरदस्त धमाका हुआ। इससे करीब 5 किमी तक का इलाका दहल उठा। वहीं, बम फटने से चार घर ढह गए। दोपहर 3 बजे तक 14 शव निकाले गए हैं। इसके अलावा विस्फोट में 11 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। इनका इलाज चल रहा है। डीजीपी एसके सिंघल ने बताया कि मोहम्मद आजाद के घर में रहने वाली लीलावती के यहां विस्फोट हुआ है। लीलावती समेत उसके परिवार के 5 सदस्यों की भी मौत हुई है। इस मामले में एसएसपी ने ततारपुर के थानाध्यक्ष सुधांशु कुमार को सस्पेंड कर दिया है। लीलावती का परिवार पटाखा बनाने का अवैध कारोबार करता था।

बम ब्लास्ट के एंगल पर भी जांच शुरू

पुलिस को मलबे से 5 किलो बारूद और काफी संख्या में लोहे की कीलें मिली हैं। इस वजह से पुलिस बम ब्लास्ट के एंगल से भी जांच कर रही है। कुछ ही दिनों पहले ढ़ाका में भी भागलपुर पुलिस को अलर्ट किया था। विस्फोट से करीब 5 किमी के दायरे में बसे दस हजार परिवारों ने पूरी रात दहशत में गुजारी। रात भर अफरातफरी का माहौल रहा।

भागलपुर एसएसपी बाबूराम ने कहा कि यहां तीन लोग पटाखा बनाने का काम करते थे। इसी में अचानक विस्फोट होने से आसपास के चार मकान गिरने और मलबे में लोगों के दबने से मौतें हुई हैं। कुछ लोगों ने बताया है कि लीलावती देवी के मकान में विस्फोट हुआ है। एफएसएल की टीम जांच कर रही है। पूरी रिपोर्ट आने के बाद पता चलेगा कि विस्फोटक किस तरह का था। घटना पर पीएम मोदी ने भी शोक जताते हुए ट्वीट किया और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से फोन पर बात की।

कार्टून

पाकिस्तान के पेशावर में फिदायीन हमला, ३६ की मौत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पेशावर में शुक्रवार को जुमे की नमाज के दौरान हुए फिदायीन बम हमले में 36 नमाजियों की मौत हो गई। 50 से अधिक लोग घायल हैं, इनमें से 10 की हालत गंभीर बताई गई है। ये विस्फोट पेशावर के कोचा रिसालदार इलाके में किस्सा ख्वानी बाजार की एक मस्जिद में हुआ। पेशावर पुलिस के मुताबिक, शहर के किस्सा ख्वानी बाजार में दो हमलावरों ने मस्जिद में घुसने की कोशिश की और रोकने पर वहां खड़े पुलिसकर्मियों पर फायरिंग कर दी। इस दौरान एक पुलिसकर्मी की मौत हो गई है जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। इसके बाद हमलावर मस्जिद में घुसे और खुद को उड़ा लिया।

10 घायलों की हालत गंभीर

रेस्क्यू टीम घायलों को यहां के लेडी रीडिंग अस्पताल ले जा रही है। स्थानीय लोगों ने भी घायलों को अपनी मोटरसाइकिल और कारों में लादकर अस्पताल पहुंचाया। पुलिस और सुरक्षा टीमों ने इलाके की घेराबंदी कर दी है। लेडी रीडिंग अस्पताल के प्रवक्ता का कहना है कि 10 घायलों की हालत बेहद गंभीर है।

काले कपड़े पहने हुआ था आत्मघाती

हमले के दौरान वहां मौजूद एक चश्मदीद ने पाकिस्तानी मीडिया को बताया कि एक हमलावर काले कपड़े था। वह मस्जिद के मेन हॉल में घुस गया और खुद उड़ा लिया। इसके बाद हर जगह लाशें और घायल लोग ही पड़े थे। हॉल नमाजियों से भरा हुआ था। भीड़भाड़ वाले इलाके में मस्जिद होने की वजह से रेस्क्यू टीम को यहां पर पहुंचने में दिक्कतों का सामना करना पड़ा। इस वजह से लोग घायल नमाजियों को मोटरसाइकिल से अस्पताल ले गए।

जुमे की नमाज के दौरान मस्जिद में ब्लास्ट, 50 से ज्यादा घायल

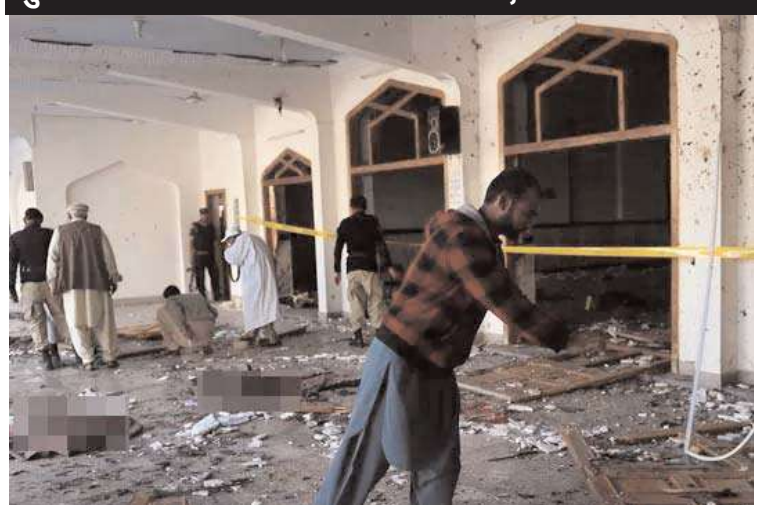

इमरान खान ने हमले की निंदा की

प्रधानमंत्री इमरान खान ने इस हमले की निंदा करते हुए घायलों को फौरन मेडिकल फेसेलिटीज मुहैया कराने की बात कही है। उल्लेखनीय है कि इस महीने की शुरुआत में हथियारों से लैस हमलावरों ने पाकिस्तान के अशांत दक्षिण-पश्चिमी बलूचिस्तान प्रांत में सुरक्षा बलों के दो शिविरों पर हमला कर दिया था। इस हमले में कई हताहत हुए थे। प्रतिबंधित बलूच लिबरेशन आर्मी ने पंजगुर और नौशकी जिलों में हुए इस हमले की जिम्मेदारी ली थी। हाल के दिनों में इस अलगाववादी संगठन ने भी अपने हमले बढ़ा दिए हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

मुख्यमंत्री चौहान ने श्री सखलेचा की जयंती पर किया नमन

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री स्व. श्री वीरेंद्र कुमार सखलेचा की जयंती पर उन्हें नमन किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने निवास कार्यालय स्थित सभागार में उनके चित्र पर माल्यार्पण किया। श्री सखलेचा का जन्म 4 मार्च 1930 को मंदसौर की जावद तहसील में हुआ। उन्होंने बनारस हिंदू विश्वविद्यालय से शिक्षा ग्रहण की। वर्ष 1957 में श्री सखलेचा चुनाव जीतकर विधायक बने और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बनाए गए। वर्ष 1967 में श्री गोविंद नारायण सिंह की सरकार में उप मुख्यमंत्री भी रहे। श्री सखलेचा 18 जनवरी 1978 से 19 जनवरी 1980 तक प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे। श्री सखलेचा ने ग्राम पंचायतों में ग्रामीण सचिवालय खुलवाकर पटवारी, ग्राम सेवक, सहकारी संस्था के समिति सेवक और पंचायत सचिव को एक साथ बैठाकर ग्रामीणों की समस्याएँ कम की। उनका निधन 31 मई, 1999 को हुआ।

लोक अदालत में मिलने वाली छूट का लाभ उठायें नागरिक

भोपाल। राज्य शासन द्वारा सम्पत्ति कर अधिभार, जल उपभोक्ता प्रभार, जलकर के सरचार्ज में निर्धारित शर्तों के साथ छूट दी जायेगी। यह छूट उन निकायों में लागू नहीं होगी, जहाँ लोक अदालत के दिन को निर्वाचन की प्रक्रिया प्रारंभ होकर आचार संहिता प्रभावशील होगी। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह ने नागरिकों से लोक अदालत में विभिन्न करों के अधिभार में मिलने वाली छूट का लाभ लेने का आग्रह किया है। सम्पत्ति कर के ऐसे प्रकरण, जिनमें कर तथा अधिभार की राशि 50 हजार तक बकाया होगी, उसमें मात्र अधिभार में 100 प्रतिशत, जिनमें कर तथा अधिभार की राशि 50 हजार से अधिक तथा एक लाख रुपये तक बकाया है, उनमें अधिभार में 50 प्रतिशत तक और सम्पत्ति कर के ऐसे प्रकरण, जिनमें कर तथा अधिभार की राशि एक लाख रुपये से अधिक बकाया होगी, उनमें मात्र अधिभार में 25 प्रतिशत तक की छूट दी जायेगी। जल उपभोक्ता प्रभार/जलकर के ऐसे प्रकरण, जिनमें कर तथा अधिभार की राशि 10 हजार रुपये तक बकाया होगी।

20 सेकंड में 62 साल पुराना सीपीए खत्म

मुख्यमंत्री शिवराज की नाराजगी पड़ी भारी; सिर्फ 8 फीसदी सड़कों का था जिम्मा; क्यों बंद हुआ

भोपाल

भोपाल की खराब सड़कों को लेकर नपे 62 साल पुराने सीपीए (राजधानी परियोजना प्रशासन) का इतिहास सिर्फ 20 सेकंड में खत्म हो गया। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की नाराजगी सीपीए को भारी पड़ी। यही कारण रहा कि राजधानी की 8 फीसदी सड़कों की देखरेख करने वाला सीपीए अब 3 विभागों में बंट गया। PWD, वन विभाग और भोपाल गैस राहत एवं पुर्नवास विभाग इसके कामकाज को देखेगा। सबसे बड़ी जिम्मेदारी PWD को दी गई हैं। बिल्डिंगों और सड़कों की देखरेख यही विभाग करेगा। सड़कों के मुद्दे पर करीब 6 महीने पहले 20 अगस्त को सीएम चौहान ने मंत्रालय में बड़ी मीटिंग बुलाई थी। इसी दौरान उन्होंने सीपीए को खत्म करने के निर्देश दे दिए थे। इसके बाद प्रस्ताव बने और कई बैठकें हुईं। अब कैबिनेट में मंजूरी का ठप्पा लगते ही सीपीए इतिहास बन गया।

62 साल पहले 1 जून 1960 का बना था सीपीए

92.5 किमी सड़कें थी सीपीए के हवाले

8% हिस्सा था शहर की कुल सड़कों का

132 एकड़ में बनाए थे 7 पार्क

MLA रेस्ट हाउस, कलियासोत ब्रिज, VIP रोड समेत कई प्रोजेक्ट शामिल

सरकार के दामन पर दाग बनी थीं सड़कें

पिछले साल बारिश के दौरान राजधानी की सड़कें सरकार के दामन पर दाग बन गई थी। 50 फीसदी सड़कें ऐसी थीं, जो बारिश में उखड़ चुकी थी। कोलार, होशंगाबाद रोड, रायसेन रोड, कमला पार्क, हमीदिया रोड समेत कई सड़कें गड्?ढों में तब्दील हो गई थी। इस कारण सियासत गरमा चुकी थी और कांग्रेसी सरकार को घेर रहे थे।

कई ऑइकानिक प्रोजेक्ट दिए, पर सड़कों से नप गया

ऐसा नहीं है, सीपीए सिर्फ सड़कों का काम ही देखता था। नए शहर को खूबसूरती देने में उसकी बड़ी भूमिका रही है। नए मंत्रालय एनेक्सी बनाने से लेकर ङ्कढ्ढक्क रोड जैसे कई बड़े काम उसने ही किए हैं। भारत, भवन, शौर्य स्मारक, ट्राइबल म्यूजियम, मानव संग्रहालय, टीटी नगर स्टेडियम, सतपुड़ा, विध्यांचल आदि इमारतें भी सीपीए ने बनाई है। शहर को कई ऑइकानिक प्रोजेक्ट देने के बावजूद वह खराब सड़कों की भेंट चढ़ गया।

यह काम था सीपीए का

शहर को व्यवस्थित तरीके से डेवलप करने के लिए 1 जून 1960 में आवास एवं पर्यावरण विभाग के अंतर्गत सीपीए का गठन किया गया था। इसका काम भोपाल शहर की सड़कों को बनाना और उनका मेंटेनेंस करना था। इसके अलावा, उसके जिम्मे पर उद्यान, बिल्डिंग निर्माण, पुल-पुलियाएं बनाने आदि के काम भी आ गए। वीआईपी रोड से लेकर एनेक्सी भी सीपीए ने ही बनाए। हालांकि, एनेक्सी को लेकर सीपीए के अफसर कई बार रडार पर आ चुके थे।

सात बड़े पार्क भी बनाए

इसके अलावा 132 एकड़ में सात बड़े पार्क बनाए। इनमें एकांत, प्रियदर्शनी, मयूर, चिनार, प्रकाश तरण पुष्कर आदि शामिल हैं। अभी सड़क, बिल्डिंग, पार्क समेत छोटे-बड़े 250 से ज्यादा प्रोजेक्ट चल रहे थे, जो अब पीडब्ल्यू और वन विभाग के जिम्मे आ गए हैं।

92 फीसदी सड़कें नगर निगम, पीडब्ल्यूडी और बीडीए की, 8 फीसदी ही हिस्सा सीपीए का

शहर में 92 फीसदी सड़कें नगर निगम, पीडब्ल्यूडी और बीडीए की है। सिर्फ 8 फीसदी ही हिस्सा सीपीए का था। उनमें भी कई सड़कें बेहतर स्थिति में थी। बावजूद सड़कों के मुद्दे पर सीपीए नप गया। अब उसकी सड़कें पीडब्ल्यूडी संभालेगा। इसे लेकर खाका तैयार कर लिया गया है।

गौहर महल में 14 दिवसीय हैण्डलूम एक्स-पो का शुभारंभ

विभिन्न राज्यों के हैंण्डलूम उत्पाद एक ही छत के नीचे उपलब्ध

भोपाल

आजादी के 75वें अमृत महोत्सव में 14 दिवसीय हैण्डलूम एक्स-पो का शुभारंभ गुरूवार को पद्मश्री भूरीबाई द्वारा किया गया। सन्त रविदास म.प्र. हस्तशिल्प एवं हाथकरघा विकास निगम लि. भोपाल, केन्द्रीय वस्त्र मंत्रालय के सहयोग से स्पेशल हैण्डलूम एक्स-पो अर्बन हाट गौहर महल में किया जा रहा है। एक्स-पो 15 मार्च 2022 तक लगेगा। प्रबंध संचालक खादी एवं ग्रामोद्योग श्रीमती अनुभा श्रीवास्तव ने बताया कि एक्स-पो में मध्यप्रदेश सहित उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, और गुजरात के बुनकरों के गुणवत्तायुक्त और विविध हैण्डलूम उत्पाद एक साथ एक ही छत के नीचे रियायती दरों पर उपलब्ध है। विगत वर्षों में आयोजित स्पेशल हैण्डलूम एक्स-पो भोपाल में भारी विक्रय के चलते प्रदेश और अन्य राज्यों के बुनकर संघ और समितियाँ में उत्साह के साथ प्रतिभागिता के लिए तैयार है। इसी दृष्टि से अर्बन हाट गौहर महल परिसर में 35 स्थाई उपलब्ध दुकानों के साथ 25 अस्थाई दुकानों का अतिरिक्त निर्माण किया गया है। इस प्रकार 60 दुकानों में विभिन्न राज्यों के बुनकर हैण्डलूम वस्त्र लेकर विक्रय के लिए उपलब्ध है। स्पेशल हैण्डलूम एक्स-पो 14 दिवस का है। जिसमें प्रतिदिन सांस्कृतिक कार्यक्रमों भी होंगे। एक्स-पो प्रतिदिन दोपहर 12 बजे से रात्रि 9 बजे तक एवं अवकाश के दिनों में 12 बजे से रात्रि 10 बजे तक खुला रहेगा। इसमें ग्राहकों के लिये प्रवेश एवं पार्किंग व्यवस्था निश्शुल्क की गई है।

स्वास्थ्य मंत्री डॉ. चौधरी ने भोपाल जिले के लिए रवाना किए 10 टीकाकरण रथ

भोपाल

लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी ने निवास कार्यालय से सेव चिल्ड्रन संस्था के 10 कोविड टीकाकरण रथ को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया। ये सभी 10 रथ 10 दिनों तक भोपाल जिले में टीकाकरण का कार्य करेंगे। सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद सिंह भदौरिया, औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन मंत्री श्री राजवर्धन सिंह दत्तीगांव और विधायक एवं पूर्व मंत्री श्री रामपाल सिंह राजपूत उपस्थित थे। मंत्री डॉ. चौधरी ने कहा कि रथों के माध्यम से भोपाल जिले के 15 से 17 वर्ष के बच्चों, 60 वर्ष से अधिक आयु के नागरिकों और फ्रंट लाइन वर्कर का कोविड टीकाकरण सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ऐसे बच्चे जिनका किसी कारण कोविड टीकाकरण नहीं किया जा सका, उन तक यह सुविधा पहुँचाना टीकाकरण रथ का उद्देश्य है। टीकाकरण रथ में स्वास्थ्य विभाग की टीम के साथ पर्याप्त मात्रा में वैक्सीन की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है।

मुख्यमंत्री चौहान ने करंज और गुलमोहर का पौधा रोपा

» लिम्का बुक ऑफ रिकार्ड होल्डर्स ने भी किया पौध-रोपण

भोपाल

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज स्मार्ट पार्क में करंज और गुलमोहर के पौधे लगाए। मुख्यमंत्री श्री चौहान के साथ पत्रिका समाचार-पत्र समूह के स्टेट एडिटर श्री विजय चौधरी तथा हॉबी क्लब, भोपाल के सदस्य सुश्री आयुषी श्रीवास्तव, श्री देवेन्द्र प्रकाश तिवारी तथा श्री सुधीर पंडया ने भी पौध-रोपण किया। पर्यावरण संरक्षण के लिए समर्पित हॉबी क्लब के सदस्य स्कूल, कॉलेज एवं सार्वजनिक संस्थानों में छोटी-छोटी प्रदर्शनियाँ लगाकर स्वच्छता और पर्यावरण के लिए बच्चों और आमजन को जागरूक करते हैं। क्लब की सदस्य सुश्री आयुषी श्रीवास्तव ने गणपति संग्रह, श्री देवेंद्र प्रकाश तिवारी ने कबाड़ से जुगाड़ एवं श्री सुधीर पंड्या ने नीम के पेड़ का जन्म-दिन मनाकर और बैंक में विषम संख्या में (ऑड नम्बर में) राशि जमा कराने के लिए लिम्का बुक ऑफ रिकार्ड में नाम दर्ज कराया है। आज लगाए गए करंज को आयुर्वेदिक चिकित्सा में महत्वपूर्ण माना गया है। करंज का उपयोग धार्मिक कार्यों में भी किया जाता है। गुलमोहर को विश्व के सुंदरतम वृक्षों में से एक माना जाता है। गुलमोहर की पत्तियों के बीच बड़े-बड़े गुच्छों में खिले फूल, इस वृक्ष को अलग ही आकर्षण प्रदान करते हैं। गर्मी के दिनों में गुलमोहर के पेड़ पत्तियों की जगह फूलों से लदे हुए रहते हैं। यह औषधीय गुणों से भी समृद्ध है।

प्रधानमंत्री मोदी के प्रयासों से आपरेशन गंगा को मिल रही सफलता

दैनिक
इंटीग्रेटेड ट्रेड
डेवलपमेंट सेंटर न्यूज़
मध्य भारत का एक विश्वसनीय दैनिक
98 26 22 00 22

अर्थव्यवस्था, शिक्षा,
नियोजन, उद्भव,
पर्यावरण, मनोरंजन.

आपकी बात
आपके साथ

न्यूज ब्रीफ

सीएम ने दुर्घटना में चार लोगों की मौत पर दुःख प्रकट किया

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने बीती रात दुर्ग के धमधा नाका रेलवे ब्रिज पर हुए सड़क हादसे में 4 व्यक्तियों की मृत्यु पर गहरा दुःख प्रकट किया है। उन्होंने मृतकों के परिवारजनों के प्रति गहरी संवेदना और सहानुभूति प्रकट की है।

प्रदेश में कोरोना संक्रमण की दर घटकर 0.51 प्रतिशत पर पहुंची

रायपुर। कोरोना मरीजों के स्वस्थ होने और रोज कम संख्या में नए मरीज मिलने के कारण प्रदेश में कोविड-19 के सक्रिय मामलों की संख्या घट रही है। सुकमा जिले में अभी कोरोना का एक भी सक्रिय मरीज नहीं है। प्रदेश में कोरोना संक्रमण की दर घटकर अब 0.51 प्रतिशत पर पहुंच गई है। राज्य के पांच जिलों में 3 मार्च को कोरोना का कोई नया मामला नहीं आया है। इस दिन प्रदेश भर में हुए 21 हजार 367 सैंपलों की जांच में 110 व्यक्ति कोरोना संक्रमित पाए गए। गरियाबंद, सूरजपुर, कोंडागांव, सुकमा और नारायणपुर जिले में इस दिन कोरोना संक्रमण का एक भी मामला नहीं आया है।

आगर सिंचाई के लिए 19.42 करोड़ से ज्यादा स्वीकृत

रायपुर। राज्य शासन ने मुंगेली जिले की आगर सिंचाई योजना के कार्यों के लिए 19 करोड़ 42 लाख 27 हजार रूपए स्वीकृत किए है। योजना के अंतर्गत नहर के अंतिम छोर तक सी.सी. लाईनिंग कार्य किया जाएगा। योजना के कार्य हो जाने पर 3645 रूपांकित क्षेत्र में सिंचाई की सुविधा किसानों को मिलने लगेगी। जल संसाधन विभाग मंत्रालय महानदी भवन से कार्य कराने के लिए मुख्य अभियंता हसदेव कछार जल संसाधन विभाग बिलासपुर को प्रशासकीय स्वीकृति जारी की गई है।

खाद्य मंत्री श्री अमरजीत भगत का दौरा कार्यक्रम

रायपुर। खाद्य और संस्कृति मंत्री श्री अमरजीत भगत 06 मार्च को सरगुजा और बलरामपुर जिले के दौरे पर रहेंगे। श्री भगत छह मार्च को सबेरे 9 बजे पुलिस ग्राउंड रायपुर से हेलीकॉप्टर द्वारा वाड्रफनगर जिला बलरामपुर प्रस्थान करेंगे। वे इसके बाद हेलीकॉप्टर से ही पीजी कॉलेज ग्राउंड अम्बिकापुर, सरगुजा जाएंगे और वहां कलेक्टरेट सभा कक्ष में आयोजित मैनपाट महोत्सव के बैठक में शामिल होंगे। श्री भगत बैठक के बाद कार द्वारा अम्बिकापुर स्थित बौरीपारा निवास कार्यालय जाएंगे। मंत्री श्री भगत शाम 3.15 बजे पीजी कॉलेज ग्राउंड अम्बिकापुर से हेलीकॉप्टर द्वारा रायपुर आएंगे।

जनसूचना अधिकारियों एवं प्रथम अपीलीय अधिकारियों का एक दिवसीय कार्यशाला स्थगित

कोरिया । संयुक्त कलेक्टर एवं जनसूचना अधिकारी श्री अनिल कुमार सिदार ने बताया कि सूचना का अधिकारी अधिनियम 2005 का प्रभावी क्रियान्वयन के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार, प्रशिक्षण हेतु जिला स्तर पर जनसूचना अधिकारियों एवं प्रथम अपीलीय अधिकारियों की एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन दिनांक 05 फरवरी को कार्यालय जिला कलेक्ट्रोरेट के सभाकक्ष मे रखा गया था। जो अब अपरिहार्य कारणों से स्थगित कर दी गई। आगामी कार्यशाला की तिथि की जानकरी पृथक से दी जायेगी।

रायपुर। राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उइके के तीन दिवसीय बस्तर प्रवास के दौरान जगदलपुर पहुंचने पर स्थानीय मां दंतेश्वरी एयरपोर्ट में जनप्रतिनिधियों और जिला प्रशासन द्वारा आत्मीय स्वागत किया गया।

12 वीं की परीक्षा में पामगढ़ में नकल के 4 प्रकरण दर्ज

जांजगीर-चांपा। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आज आयोजित कक्षा बारहवीं के सामान्य अंग्रेजी/ हिंदी विषय की परीक्षा में जिले के पामगढ़ परीक्षा केंद्र विद्या निकेतन उमावि में नकल के 4 प्रकरण दर्ज किए गए। जिले में संचालित हाई / हायर सेकेंडरी परीक्षा 2021-22 हेतु आज 4 मार्च को कक्षा 12वीं विषय सामान्य अंग्रेजी/हिंदी की परीक्षा सुचारू रूप से संचालित हुई। परीक्षा में जांजगीर, सक्ती दोनों शैक्षणिक जिले के पंजीकृत कुल परीक्षार्थियों की संख्या -23,036, परीक्षा दिवस को उपस्थित परीक्षार्थियों की संख्या - 22,355 रही। आज की परीक्षा में 681 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। आज नकल के 4 प्रकरण दर्ज किए गए।चारों प्रकरण जिला मिशन समन्वयक जिला जांजगीर की टीम द्वारा परीक्षा केंद्र क्रमांक-322149 विद्या निकेतन उमावि पामगढ़ में दर्ज किए गए।

राज्य स्तरीय समारोह में समाज कल्याण मंत्री ने उत्कृष्ट कार्यों के लिए दिव्यांगजन एवं संस्थाअरें करे किया सम्मानित

अच्छे काम दूसरों के लिए बनते हैं प्रेरणा : श्रीमती भेंड़िया

शासन के खर्च पर दुबई जाएगी नेत्रहीन पैराएथलीट कुमारी ईश्वरी, प्रदेश के 122 दिव्यांगजन को दी गई 37.44 लाख रूपए की सहायता राशि

रायपुर। दिव्यांगजनों के कल्याण के लिए उल्लेखनीय कार्य करने वाली संस्थाओं, व्यक्तियों और दिव्यांगजनों को राजधानी रायपुर में आयोजित राज्य स्तरीय सम्मान समारोह में समाज कल्याण मंत्री श्रीमती अनिला भेंड़िया ने सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने पैराएथलेटिक में राष्ट्रीय स्तर पर स्वर्णपदक प्राप्त करने वाली महासमुंद जिले की नेत्रहीन बालिका कुमारी ईश्वरी निषाद के खेलने के लिए दुबई जाने का खर्च विभाग द्वारा वहन करने की घोषणा की। समाज कल्याण विभाग द्वारा माना कैम्प स्थित संचालनालय परिसर में आयोजित समारोह में राज्य सभा सांसद श्रीमती छाया वर्मा, छत्तीसगढ़ योग आयोग के अध्यक्ष श्री ज्ञानेश शर्मा, विभिन्न जिलों से आए दिव्यांगजन और दिव्यांगजनों के कल्याण के लिए कार्य करने वाली संस्थाओं के पदाधिकारी शामिल हुए। समारोह में अतिथियों ने विभागीय मेन्युअल पुस्तिका, शराब व्यसन मुक्ति पुस्तिका और ब्रेल कैलेण्डर का भी विमोचन किया।

श्रीमती भेंड़िया ने कहा कि राज्य सरकार सभी जरूरतमंद और आभावग्रस्त व्यक्तियों के सहयोग के लिए प्रतिबद्ध है और उनके साथ खड़ी है। राज्य सरकार गढ़बो नवा छत्तीसगढ़ के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए अंतिम व्यक्ति तक मदद पहुंचाने मैदानी स्तर पर काम कर रही है। उन्होंने लोगों और संस्थाओं को धन्यवाद देते हुए कहा कि दिव्यांगजन, वरिष्ठ नागरिक, निराश्रित और उभयलिंगी व्यक्तियों के पुनर्वास के लिए समाज के लोग और संस्थाएं भी संवेदनशीलता और समर्पण के साथ विभाग की मदद कर रहे है। दिव्यांग युवाओं को रोजगार देने के लिए नुक्कड़ टी-कैफे की पहल सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि समाज में संस्थाओं और व्यक्तियों द्वारा किए गए अच्छे काम दूसरों को भी प्रेरित करते है। उन्होंने विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं को बताते हुए लोगों को उसका लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। राज्य सभा सांसद श्रीमती छाया वर्मा ने पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं को बधाई देते हुए कहा कि समाज के लिए अच्छे काम दूसरों को भी आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करते है। श्री ज्ञानेश शर्मा ने समाज कल्याण के लिए किए गए काम को संत कार्य बताया और विभाग की सराहना करते हुए आगे भी अच्छे काम के लिए शुभकामनाएं दी।

समारोह में निःशक्तजन के कल्याण हेतु उत्कृष्ट कार्य के लिए सर्वोत्तम जिले की श्रेणी में जांजगीर-चांपा जिला, सर्वोत्तम दिव्यांग कर्मचारी के लिए दृष्टि बाधित श्रेणी में बालोद जिले के श्री तेजराम साहू और धमतरी जिले के श्री अरविंद शर्मा, श्रवण बाधित श्रेणी में रायपुर जिले के श्री सौरभ कुमार पाण्डेय, अस्थि बाधित श्रेणी में रायपुर जिले के श्री रामेश्वर प्रसाद साहू को पुरस्कृत किया गया। सर्वोत्तम स्वैच्छिक संस्था के लिए दृष्टि बाधित श्रेणी में महासमुंद जिले की फॉर्चून फाउण्डेशन समाज सेवी संस्था और श्रवण बाधित संवर्ग के लिए जांजगीर-चांपा जिले के प्रेमधारा चेरिटेबल सोसायटी (नवजीवन मूकबधिर विद्यालय) और सर्वोत्तम दृष्टि बाधित नियोक्ता की श्रेणी में बालोद जिले के खेमराज जनकल्याण संस्था समिति को दिव्यांगजन राज्य स्तरीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। सभी पुरस्कृत लोगों और संस्थाओं को सम्मान राशि का चेक, शील्ड, प्रमाण पत्र और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।

इस अवसर पर दिव्यांग कल्याण के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ का नाम पूरे देश में रोशन करने वाले राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित संस्था ब्रेल प्रेस, बिलासपुर और नुक्कड़ टी-कैफे वेंचर्स एलएलपी, रायपुर को भी सम्मानित किया गया। इसके साथ उत्कृष्ट कार्यसंपादन, नवाचार और योजनाओं के सफलतापूर्वक क्रियान्वयन के लिए विभागीय उपसचिव श्री राजेश तिवारी, कोरोना काल में लॉकडाउन के समय जरूरतमंदों की मदद के लिए बिलासपुर के समाजसेवी श्री मंजीत सिंह अरोरा और छत्तीसगढ़ सिक्ख फोरम रायपुर को भी सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर 122 दिव्यांगजनों को विभागीय योजनाओं निःशक्तजन विवाह प्रोत्साहन योजना, सिविल सेवा प्रोत्साहन योजना, शिक्षा प्रोत्साहन योजना, परिवार सहायता योजना और राज्य छात्रवृत्ति योजना से लाभान्वित करते हुए 37.44 लाख रुपये की सहायता राशि का चेक दिया गया। कार्यक्रम में दिव्यांगजनों को अत्याधुनिक कृत्रिम अंग, सहायक उपकरण और उत्थान सब्सिडी से भी लाभान्वित किया गया।

पुलिस ने 5 साइबर अपराधियों को किया गिरफ्तार

झारखंड के देवघर में झिलुआ जंगल में हुई छापेमारी, 45 लाख की ठगी का आरोप

देवघर। छत्तीसगढ़ पुलिस ने झारखंड के देवघर में छापेमारी कर 5 साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। गुरुवार को छत्तीसगढ़ के रायगढ़ साइबर थाने की 8 सदस्यीय टीम पुलिस प्रशिक्षु सिटी एसपी के नेतृत्व में देवघर के सारठ पहुंची। अपराधियों के लोकेशन के आधार पर सारठ पुलिस के सहयोग से थाना क्षेत्र के कपसा गांव के झिलुआ जंगल से साइबर अपराध करते रंगेहाथ गिरफ्तार किया गया। सभी को थाने लाकर सख्ती से पूछताछ कर रही है।

गिरफ्तार आरोपियों में कपसा निवासी साजिद अंसारी, सरफराज अंसारी, अताउल अंसारी, तमजीत अंसारी और सुल्तान अंसारी शामिल हैं। सभी गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ करते हुए जब्त किए गए मोबाइल को खंगाला गया। हालांकि इस मामले में छत्तीसगढ़ पुलिस कुछ भी बताने से परहेज कर रही है। सूत्र दावा कर रहे हैं कि करीब 45 लाख की साइबर ठगी के मामले में यह गिरफ्तारियां हुई हैं। पुलिस पूरे मामले की जांच पड़ताल के बाद विस्तृत जानकारी देने की बात कह रही है।

जामताड़ा के बाद साइबर अपराधियों का दूसरा सबसे बड़ा अड्डा बना देवघरः साइबर अपराध के लिए देश भर में चर्चित झारखंड के जामताड़ा के बाद देवघर दूसरा सबसे बड़ा अड्डा बन गया है। देवघर पुलिस लगातार इस मामले में छापेमारी कर अपराधियों को गिरफ्तार कर रही है। इसके बावजूद साइबर अपराधियों की संख्या कम नहीं हो रही है। यह अपराधी झारखंड के साथ-साथ देश के अलग-अलग हिस्सों में लोगों के साथ ठगी की घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं।

पुलिस ने की चिटफंड कंपनियों के वि

- भाटापारा शहर पुलिस द्वारा चिटफंड कंपनी सांई सुंदरम मालवा परिवार के आरोपी डायरेक्टर दिनेश बागबान को सिहोर मध्य प्रदेश से गिरफ्तार करने में मिली सफलता
- थाना भाटापारा शहर में धारा 420, 34 भादवि छ.ग.निक्षेपकों के हितों का संरक्षण अधि. की धारा 10, इनामी चिटफंड और धन परिचालन स्कीम पाबंदी अधि. की धारा 3,4,5 के तहत है अपराध पंजीबद्ध
- निवेशकों को विभिन्न समयावधि में दोगुना राशि देने का झांसा देकर कराया था जमा*
- पुरे जिले में इस चिटफंड कंपनी से रकम वापसी के लिए 180 से ज्यादा आवेदन में 67 लाख रू. से अधिक की राशि के लिए किया गया है आवेदन

बलौदा बाजार। पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार झा ने चिटफंड संबंधी अपराध में निवेशकों को शीघ्र रकम वापस दिलाने हेतु चिटफंड कंपनी के डायरेक्टरों को पकडने के लिए जिला के सभी थाना प्रभारी को सख्त निर्देश दिए है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पीताम्बर पटेल और अनुविभागीय अधिकारी पुलिस भाटापारा सिद्धार्थ बघेल के मार्गदर्शन में निरीक्षक महेश कुमार ध्रुव थाना प्रभारी थाना भाटापारा शहर के नेतृत्व में थाना भाटापारा शहर के अपराध क्र. 215/19 धारा 420, 34 भादवि छ0ग0 निक्षेपकों के हितों का संरक्षण अधिनियम की धारा 10, इनामी चीट फंड और धन परिचालन

PRESS
ITDC
ITDC NEWS
www.itdcindia.com

मध्य भारत से विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचारपत्र
आईटीडीसी न्यूज़,

विश्वसनीयता की अपेक्षा पर सच्चा बनाने के लिए हम निरंतर कार्य कर रहे हैं,
प्रति सप्ताह आप सभी का स्तम्भ

मेरे लोग, मेरा विधान

इसके तहत हम आप सभी से अनुरोध कर रहे हैं कि
विश्लेषणात्मक रचनाएं, जनसामान्य हित में
नई जानकारियां, लेख, आलेख, टीका, विवेचना, समाचार, रोचक तथ्य,
नए प्रयास, अभिनव प्रयोग के रूप में हमें प्रेषित करें।

आपकी रचना, नाम, चित्र सहित, अधिकाधिक पाठकों तक पहुंचे,
इसके लिए हम, समाचार पत्र में प्रकाशित रचनाओं को,
देश के सभी प्रचलित सोशल मीडिया स्टैंड जैसे फेसबुक, लिंकेडीन, यूट्यूब, जीटॉक, टिवीटर, इंस्टाग्राम
व्हाट्सएप्प एवं हमारे डिजिटल स्टैंड से प्रचार-प्रसार भी देंगे।
(दीर्घ समय तक https://www.itdcindia.com/saga-news.php पर भी उपलब्ध)
जिससे लाभान्वित जनों की संख्या निरंतर बढ़ती रहे।

आप सभी इच्छुकजन अपनी गैरमानदेय,
अपठित, नवीन, मूल एवं मौलिक रचना, हिन्दी में हमें प्रेषित करें।
(और अंग्रेजी में भेजने पर केवल हमारे डिजिटल स्टैंड पर ही प्रकाशन होगा)
उक्त हेतु, आपका चित्र, नाम, शहर, मोबाइल न, आपकी रचना, मेल करें-ईमेल
itdcnewsmp@gmail.com

मध्य भारत का विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
इंटीग्रेटेड ट्रेड
डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़

7 गांवों के 9 हजार लोगों को बारहमासी आवागमन की सुविधा मिल रही है

पुलों से जुड़ते गांव : लोगों को मिल रही आवागमन सुविधा

रायपुर। आवागमन की सुविधा सामाजिक-आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। बारहमासी सड़क की सुविधा मिलने से गांवों में शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसी जरूरी सुविधा का लाभ उठाने आसान हो जाता है। व्यापार और वाणिज्य को बढ़ावा मिलता है। राज्य शासन ने विगत तीन वर्षों में आवागमन की सुविधा को बढ़ाने के लिए पुल-पुलिया व सड़क निर्माण को प्राथमिकता दी है। गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही जिले के सेमरदर्री-पसान मार्ग में सुखाड़ नाला पर उच्च स्तरीय पुल सह पहुंच मार्ग बनने से 7 गांवों के 9 हजार लोगों को बारहमासी आवागमन की सुविधा मिल रही है। कंचनडीह-बारीउरांव मार्ग में सोन नदी पर पुल सह पहुंच मार्ग बनने से 10 गांवों के 12 हजार से अधिक ग्रामीणों को और बिलासपुर-कटनी रेल मार्ग में गौरेला के पास ओवरब्रिज से निर्बाध यातायात की सुविधा मिल रही है।

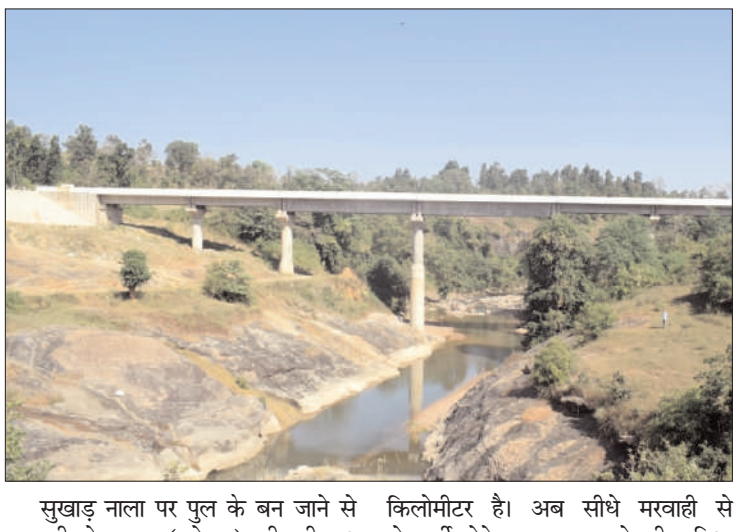

सुखाड़ नाला पर पुल के बन जाने से मरवाही से पसान (कोरबा) की दूरी 10 किलोमीटर कम हो गई है। पहले लोगों को मरवाही से कोटमी होते हुए पसान जाना पड़ता था, जिसकी दूरी लगभग 40 किलोमीटर है। अब सीधे मरवाही से सेमरदर्री होते हुए पसान जाने की सुविधा उपलब्ध हो गयी है। यह उच्च स्तरीय पुल 5.29 करोड़ रूपए की लागत से 14 जून 2021 को बनकर तैयार हुआ है। पुल की लम्बाई 135 मीटर है। पुल के बनने से मरवाही सहित आसपास के गांव बंसीताल, दानीकुंडी, सेमरदर्री, मगुरदा, करगीकला एवं मटियाडांड के ग्रामीणों को बारहमासी आवागमन की सुविधा मिल रही है। वहीं कंचनडीह-बारीउरांव मार्ग में सोन नदी पर 2.11 करोड़ रूपये की लागत के पुल सह पहुंच मार्ग से 10 गांवों के लोगों को बारहमासी आवागमन की सुविधा मिल रही है। इसके अलावा बिलासपुर-कटनी रेल मार्ग पर गौरेला के पास निर्बाध यातायात सुविधा उपलब्ध कराने की दृष्टि से 76.81 करोड़ रूपये की लागत से 2315 मीटर लंबाई के रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण किया गया है। लोक निर्माण विभाग द्वारा इसमें 2234 मीटर पहुंच मार्ग, रिटेनिंग वॉल आदि का निर्माण किया गया है। इस रेलवे ओवरब्रिज के निर्माण से रेलवे क्रॉसिंग पर आवागमन बाधित नहीं होगी और यातायात सुचारू रूप से जारी रहेगा।

संपादकीय

युद्ध और उम्मीद

पांच दिन के जंगी पागलपन के बाद समझदारी ने अपने लिए थोड़ी-सी गुंजाइश खोजी है। जिस समय ये पंक्तियां लिखी जा रही हैं, बेलारूस की सीमा पर यूक्रेन और रूस के बीच बातचीत शुरू हो गई है। पिछले एक पखवाड़े के दौरान दोनों देशों के बीच जिस तरह से तनाव बना और लगातार बढ़ता हुआ युद्ध की विभीषिका में बदल गया, उसे देखते हुए ऐसी वार्ता में बहुत सारे किंतु-परंतु लगे हुए थे। लेकिन जब युद्धरत देशों के प्रतिनिधि बातचीत की मेज पर आमने-सामने बैठते हैं, तब इसका एक अपना महत्व होता है। एक उम्मीद बंधती है, भले ही नतीजा कुछ भी हो। पिछले एक सप्ताह से भारत समेत दुनिया के कई देश लगातार कह रहे हैं कि रूस और यूक्रेन को आपस में बैठकर बात करनी चाहिए। बात तो उन्हें युद्ध में हार-जीत के बाद भी करनी ही पड़ेगी, तो फिर पहले बात ही क्यों न हो जाए इसलिए जो बातचीत शुरू हुई है, वह स्वागतयोग्य है। स्वागतयोग्य यह भी है कि लड़ाई में रूस ने अपनी आक्रामकता को थोड़ा कम किया है, इसी के बाद बातचीत की संभावना भी बनी है।

ठीक एक दिन पहले इतवार को रूस की तरफ से परमाणु युद्ध की जो धमकी आई थी, उसकी सिहरन से दुनिया अभी तक मुक्त नहीं हुई है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अपनी फौज को परमाणु हथियार के इस्तेमाल के लिए तैयार रहने को कहा था, तो एकबारगी लगा था कि यह संकट बहुत खतरनाक मोड़ पर पहुंच गया है। हालांकि, सामरिक विशेषज्ञ हैरत में थे कि लड़ाई जिस मोड़ पर है, वहां परमाणु हथियार का इस्तेमाल करने या उसके इस्तेमाल की बात करने की कोई जरूरत ही नहीं थी। यह ठीक है कि रूस ने इस लड़ाई को जितना आसान माना था, उतनी आसान यह नहीं साबित हुई, लेकिन पिछले पांच दिनों में जो हुआ, उसमें रूस का हाथ ही ऊपर रहा है। ऐसे में, परमाणु हथियार की धमकी क्यों दी गई है, यह एक पहेली है। कुछ विशेषज्ञों की राय है कि यह धमकी दरअसल यूक्रेन के लिए नहीं थी, यह उन पश्चिमी देशों के लिए थी, जो यूक्रेन के समर्थन में खड़े हैं। इसके अनुसार, रूसी राष्ट्रपति संभवत: पश्चिमी देशों को यह चेतावनी देना चाहते हैं कि अगर वे इस युद्ध में शामिल हुए, तो लड़ाई के खतरे बहुत बढ़ सकते हैं।

यह सच है कि पश्चिमी देश खासकर नाटो और यूरोपीय संघ इस लड़ाई का एक ऐसा पक्ष हैं, जो भले ही इस जंग का हिस्सा नहीं हैं, लेकिन उसका कारण तो हैं ही। यह भी माना जाता है कि यह रूस और नाटो के आधिपत्य की लड़ाई है, जो यूक्रेन के मैदान पर लड़ी जा रही है। इस पूरे मसले पर भारत का स्टैंड भी यही है कि समस्या को खत्म करना है, तो नाटो और रूस को पूरी ईमानदारी और गंभीरता से बात करनी होगी। इस मसले के अंतिम हल का तरीका इसी से निकलेगा, लेकिन फिलहाल सबसे बड़ी जरूरत यह है कि रूस और यूक्रेन में चल रही लड़ाई तत्काल खत्म हो। बेलारूस की सीमा पर जो बातचीत शुरू हुई है, वह इसी की उम्मीद जगाती है। युद्ध जिद का नतीजा होते हैं और दो युद्धरत देश जब बातचीत की मेज पर बैठते हैं, तो जिद से मुक्त होकर बात करना उनके लिए बहुत आसान नहीं होता। यह दोनों देशों के धैर्य की परीक्षा का समय है। दोनों देशों के बीच सैन्य रूप में हस्तक्षेप के लिए तैयार होते देशों को थोड़ा इंतजार करना चाहिए।

सबकी जेब पर होंगे हमले

यह दो महाशक्तियों के बीच का टकराव है। इसमें एक तरफ रूसी फौज है, जबकि दूसरी तरफ अमेरिका व नाटो द्वारा परोक्ष रूप से समर्थित यूक्रेन की सेना। दो 'ब्लॉक' बन गए हैं, जिनकी तनातनी भारत पर भी असरंदाज हो सकती है। यह युद्ध तात्कालिक तौर पर वैश्विक कारोबार, पूंजी प्रवाह, वित्तीय बाजार और तकनीकी पहुंच को प्रभावित करेगा। रूस ने बेशक हमला बोला है, लेकिन उस पर प्रतिबंध भी लागू हो गया है। जिस देश पर प्रतिबंध लगाया जाता है, उसके साथ होने वाले व्यापार को रोकने की कोशिश होती है। फिलहाल, रूस गैस और तेल का बहुत बड़ा आपूर्तिकर्ता है। अभी इन उत्पादों के कारोबार भले ही प्रतिबंधित नहीं किए गए हैं, लेकिन मुमकिन है कि जल्द ही इनके व्यापार पर भी रोक लगा दी जाएगी। जाहिर है, इनके दाम बढ़ सकते हैं। दूसरी तरफ, यूक्रेनन गेहूं और खाद्य तेलों (विशेषकर सूरजमुखी तेल) के बड़े निर्यातकों में से एक है।

(अरुण कुमार, अर्थशास्त्री)

वैश्वीकरण के कारण किसी भी जंग का दुनिया के हर हिस्से पर असर पड़ता है। फिर चाहे वह युद्ध खाड़ी के देशों में हो या सुदूर अफ्रीका में लड़ा जा रहा हो। मगर रूस और यूक्रेन की जंग इनसे अलग है। यह दो महाशक्तियों के बीच का टकराव है। इसमें एक तरफ रूसी फौज है, जबकि दूसरी तरफ अमेरिका व नाटो द्वारा परोक्ष रूप से समर्थित यूक्रेन की सेना। दो 'ब्लॉक' बन गए हैं, जिनकी तनातनी भारत पर भी असरंदाज हो सकती है।

यह युद्ध तात्कालिक तौर पर वैश्विक कारोबार, पूंजी प्रवाह, वित्तीय बाजार और तकनीकी पहुंच को प्रभावित करेगा। रूस ने बेशक हमला बोला है, लेकिन उस पर प्रतिबंध भी लागू हो गया है। जिस देश पर प्रतिबंध लगाया जाता है, उसके साथ होने वाले व्यापार को रोकने की कोशिश होती है। फिलहाल, रूस गैस और तेल का बहुत बड़ा आपूर्तिकर्ता है। अभी इन उत्पादों के कारोबार भले ही प्रतिबंधित नहीं किए गए हैं, लेकिन मुमकिन है कि जल्द ही इनके व्यापार पर भी रोक लगा दी जाएगी। जाहिर है, इनके दाम बढ़ सकते हैं। दूसरी तरफ, यूक्रेनन गेहूं और खाद्य तेलों (विशेषकर सूरजमुखी तेल) के बड़े निर्यातकों में से एक है। भारत वहां से तकरीबन 1.5 बिलियन डॉलर का सूरजमुखी तेल हर साल मंगाता है। ऐसे में, इन वस्तुओं के आयात प्रभावित होने से हमारे यहां खाद्य उत्पादों पर असर पड़ेगा। यानी, यह युद्ध ऊर्जा, धातु और खाद्य उत्पादों के वैश्विक कारोबार को गहरे प्रभावित कर सकता है।

इसी तरह, रूस पर प्रतिबंध से उसकी पूंजी का प्रवाह बाधित होगा। यह वित्तीय बाजारों को प्रभावित करेगा। जब बाजार में अनिश्चितता का दौर आता है, तो बिकवाली शुरू हो जाती है। विदेशी निवेशक अपनी पूंजी निकालने लगते हैं। इससे प्रत्यक्ष विदेशी निवेश यानी एफडीआई और विदेशी संस्थागत निवेश यानी एफआईआई का आना कम हो जाता है। जंग के हालात में सभी देश अपने-अपने निवेशकों को अपने-अपने मुल्क में ही निवेश करने की सलाह देते हैं, ताकि उनकी अर्थव्यवस्था मजबूत रहे। इस बार भी ऐसा हो सकता है। तकनीक भी इन सबसे अछूती नहीं रह जाती है। चूंकि युद्ध में आधुनिक तकनीक की जरूरत बढ़ जाती है, इसलिए बाकी क्षेत्रों के लिए उसकी उपलब्धता कम हो जाती है। हां, सैन्य साजो-सामान से जुड़े उद्योग को जरूर फायदा हो सकता है, क्योंकि उनकी खरीद-बिक्री व उत्पादन में बढ़ोतरी हो सकती है।

यह सब कुछ इस बात पर निर्भर करेगा कि युद्ध कितने समय तक चलता है हालांकि, अनुमान यही है कि यह जंग लंबी नहीं चलने वाली। रूस अफगानिस्तान की 1979-89 वाली गलती शायद ही दोहराना पसंद करेगा। इसलिए दोनों देशों के बीच बातचीत की मेज सजने की भी खबर है। मगर हाल-फिलहाल में जंग के खत्म होने के बावजूद शीतयुद्ध थमने वाला नहीं। यह 1950 के दशक सरीखा नहीं होगा। उस वक्त सोवियत संघ (वामपंथ) और पश्चिम (पूंजीवाद) की वैचारिक लड़ाई थी। अब तो रूस और चीन जैसे देश भी पूंजीवादी व्यवस्था अपना चुके हैं। इसलिए यह वैचारिक नहीं, वर्चस्व की जंग है। इससे दुनिया दो हिस्सों में बंट सकती है, जिनमें आपस में ही कारोबार करने की परंपरा जोर पकड़ सकती है।

इससे जाहिर तौर पर आपस में पूंजी प्रवाह होगा और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित हो सकती है, जिसकी वजह से हम महंगाई का सामना कर सकते हैं। इसका अर्थ है कि यह जंग दुनिया भर में मंदी और महंगाई बढ़ा सकती है। रूस की कंपनियों पर प्रतिबंध लग जाने से वैश्विक कारोबार प्रभावित होगा। हालांकि, पश्चिमी देश इस कोशिश में हैं कि वे पेट्रो उत्पादों का अपना उत्पादन बढ़ा दें और ओपेक देशों से भी ऐसा करने की गुजारिश की जा सकती है। फिर भी, पेट्रो उत्पादों की घरेलू कीमतें बढ़ेंगी, जिससे अन्य चीजों के दामों में भी तेजी आएगी।

महंगाई बढ़ने से मांग में कमी आती है, जिसका असर विकास दर व निवेश पर पड़ता है। अभी चूंकि बाजार में बहुत ज्यादा पूंजी नहीं है, इसलिए पहले की तुलना में महंगाई ज्यादा असर डाल सकती है। फिर, आयात बढ़ने और निर्यात कम होने से हमारा भुगतान-संतुलन बिगड़ सकता है। अनिश्चितता के दौर में सोने की मांग भी बढ़ जाती है, जिससे इसका आयात बढ़ सकता है। यह भी भुगतान संतुलन को प्रभावित करेगा। इन सबसे रुपया कमजोर होगा और स्थानीय बाजार में इसकी कीमत बढ़ सकती है। यानी, दो-तीन रास्तों से महंगाई हमारे सामने आने वाली है।

इस युद्ध का वैश्विक अर्थव्यवस्था पर कुछ अन्य असर भी हो सकता है। जैसे, यह दुनिया भर के देशों का बजट बिगाड़ सकता है। सभी देश अपनी सेना पर ज्यादा खर्च कर सकते हैं। इससे वास्तविक विकास तुलनात्मक रूप से कम हो जाएगा और राजस्व में भी कमी आएगी। महंगाई से कर वसूली बढ़ती जरूर है, लेकिन यह शायद ही वास्तविक अर्थों में हो। इनसे राजस्व घाटा बढ़ता जाता है, जिसके बाद सरकारें सामाजिक क्षेत्रों से अपने हाथ खींचने लगती हैं। इससे स्वाभाविक तौर पर गरीब प्रभावित होते हैं। भारत शायद ही इसका अपवाद होगा। मुमकिन है कि वैश्वीकरण की अवधारणा से भी अब सरकारें पीछे हटने लगें, जिसका नुकसान विशेषकर विकासशील देशों को होगा।

अपने यहां भारतीय छात्रों के विदेश जाने का मुद्दा भी गरम है। हमारे विद्यार्थी इसलिए बाहर जाते हैं, क्योंकि देश में जरूरी शैक्षणिक ढांचे का अभाव है। मेडिकल की सीटें यहां काफी कम हैं और प्राइवेट कॉलेज बेतहाशा फीस वसूलते हैं। फिर, यूक्रेन में 1.7 लाख विद्यार्थियों पर एक मेडिकल कॉलेज है, जबकि अपने यहां 27 लाख विद्यार्थियों पर। अगर ये बच्चे अपनी पढ़ाई पूरी करके लौट आएं, तो भारतीय अर्थव्यवस्था और समाज को काफी फायदा हो सकता है, लेकिन बच्चे आमतौर पर लौटते नहीं हैं। लिहाजा, भारत में शिक्षा के क्षेत्र में ढांचागत सुधार की सख्त दरकार है। अगर बच्चों को देश में ही शिक्षा मिलने लगे, तो न सिर्फ भारत में कामकाजी वर्ग की उत्पादकता बढ़ेगी, बल्कि उद्यम का भी विकास होगा। इस तरह का प्रयोग दक्षिण पूर्व एशियाई देश कर चुके हैं। अभी उद्योग जगत की यही शिकायत है कि 90 फीसदी नए बच्चों में उचित प्रशिक्षण का अभाव है। अधिक संख्या में कॉलेज होने, छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक माहौल मिलने और प्रशिक्षण से उद्योग जगत की यह शिकायत भी दूर हो सकती है। जाहिर है, यह युद्ध भारतीय समाज और अर्थव्यवस्था को कई रूपों में प्रभावित कर रहा है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

कोरोना से ओटीटी की बल्ले-बल्ले

कुमार मौसम

साल 2019 में आए कोरोना महामारी से समूचा विश्व आज भी नहीं उबर पाया है। कोरोना वायरस अपने शुरुआत से ही रूप बदल-बदलकर लोगों की जिंदगियों के लिए खतरा पैदा करता रहा है। अभी तक समूची दुनिया अल्फा, बीटा, गामा, डेल्टा की शक्ल में इस बहरूपिये वायरस के अलग-अलग वेरिएंट का सामना कर चुकी है। वायरस के म्यूटेशन के कारण इसके अलग-अलग वेरिएंट सामने आए हैं। भारत समेत पूरा विश्व इस वक़्त कोरोना की तीसरी लहर से गुजर रहा है। जिसकी वजह कोरोना का नवीनतम वेरिएंट ओमीक्रॉन है। हालाँकि इसके बाद भी आईएचयू समेत कई नए वेरिएंट के मामले सामने आए हैं, जिनका सामना कई बड़े देशों को करना पड़ रहा हैं।

अब तक इस महामारी से जितनी मौते हुई है उसने कोरोना को मानव इतिहास की सबसे खतरनाक महामारी साबित कर दिया है। इसने न सिर्फ मानव जाति के आज को बल्कि आने वाले भविष्य को पूरी तरह से बदलकर रख दिया है। कोरोना के इन्ही विपरीत परिस्थितियों के बीच कुछ लोगों नें जरुरतवश तो कुछ नें मजबूरन नए इनोवेशन और नयी व्यवस्था को स्वीकार किया है। चाहे वो क्लासरूम एजुकेशन से ऑनलाइन एजुकेशन की तरफ रुख करना हो या मनोरंजन के लिए टीवी/सिनेमा से ओटीटी प्लेटफ़ॉर्म जैसे ऑनलाइन माध्यमों की तरफ रुख करना।

कोरोना की पहली लहर ने जिसने समूची दुनिया को अपने-अपने घरों में नज़रबंद रहने के लिए अभिशप्त कर दिया। इस महामारी को अगर मानव सभ्यता की अब-तक की सबसे बड़ी त्रासदी कहें तो कुछ गलत नहीं होगा। इस दौरान मानों हमारी पूरी दुनिया थम सी गयी। लोगों को घरों से निकलने की सख्त मनाही थी। परिणाम स्वरूप न सिर्फ लोगों की जीवनशैली बदली बल्कि लोगों के मीडिया उपभोग करने के तरीकों पर भी असर पड़ा। मानव सभ्यता के ऐसे संकटकालीन दौर में जहाँ एक तरफ इंसानी मेल-जोल तो दूर उनकी साँस पर भी पहरा लग गया, तो दूसरी तरफ पहली और दूसरी लहर में सम्पूर्ण लॉकडाउन के कारण मनोरंजन के तंत्र भी सुस्त हो गए। नतीजतन टेलीविजन पर नए कॉन्टेंट की कमी साफ़ देखी गयी। तो वहीं रामायण और महाभारत के रिपीट टेलीकास्ट नें दूरदर्शन के लिए टीआरपी का नया अध्याय लिखा।

इसी दौरान मनोरंजन के लिए ओटीटी प्लेटफार्म को अपनाने का चलन ज़ोर पकड़ा, जिसने ओटीटी प्लेटफार्म की लोकप्रियता को एक नया आयाम दिया। लॉकडाउन के दौरान जब परिवार के सभी सदस्य को अपनी रूचि और जरुरत के अनुसार मनोरंजन की आवश्यकता हुई। तब ओटीटी प्लेटफार्म उन्हें अपनी पसंद के कॉन्टेंट देखने, उसे आसानी से कहीं भी ब्राउज करने, डिवाइस/ माध्यमों की पसंद (मोबाइल, लैपटॉप, टैबलेट या टीवी स्क्रीन) की आज़ादी प्रदान करता रहा। भारत में मौजूदा समय में 40 छोटे-बड़े ओटीटी प्लेटफार्म हैं। जो आए दिन एक से एक बेहतरीन कार्यक्रमों के माध्यम से हमारा मनोरंजन करने में लगे हुए हैं। भारत में टीवीएफ़, ऑल्ट बालाजी, वूट, हॉटस्टार, अमेज़न प्राइम, ज़ी5 और नेटफ्लिक्स इत्यादि इस के क्षेत्र में कुछ चर्चित नाम हैं।

कोरोना के बीच बीते कुछ सालों पर गौर करें तो डिजिटल प्लेटफॉर्म पर वेब सीरीज ने धमाल मचा दिया है। इसकी एक बड़ी वजह अब कहानियों के साथ होने वाले नए-नए प्रयोग है जिससे दर्शकों को नए तरह के कंटेंट का विकल्प दिया है। यहां टीवी की तरह सास-बहू का घिसा-पिटा ड्रामा नहीं होता और ना ही लंबे-लंबे ऐड ब्रेक होते हैं। टीवी चैनलों या फिल्मों की कहानी अक्सर एक ही विषय के इर्द-गिर्द घूमती रहती है। जबकि वेब सीरीज में कंटेंट सबसे बड़ा हथियार है। यहां प्रोड्यूसर-डायरेक्टर को बोल्ड कंटेंट से लेकर कई ऐसे मुद्दों पर सीरीज बनानी की छूट है जिन्हें फिल्मों या सीरियल्स में आमतौर पर नहीं दिखाया जाता। खासकर ये उन लोगों के लिए एक बेहतर माध्यम है जो फिल्मों के नाच-गाने और फैमिली ड्रामे से अलग कहानियां देखना चाहते हैं।

फिल्मों में जब भी बोल्ड या एडल्ट कंटेंट होता है तो प्रोड्यूसर और डायरेक्टर को सेंसर बोर्ड से उलझना पड़ता है। जबकि मौजूदा समय में डिजिटल प्लेटफॉर्म पर सेंसर जैसा कुछ भी नहीं है। अब इस चीज़ के दो पहलू हैं पहला पहलू कहता है की हाँ ठीक है इससे निर्माताओं को एक वैकल्पिक रास्ता मिला है जहाँ वो अपनी बात बेबाकी से कह पा रहे हैं।

रूस का सामना

(साक्षी ओझा)

अमेरिका सहित पश्चिमी देशों की ओर से 'स्विफ्ट' जैसी संस्था से रूसी बैंकों को निकाल दिया जाना एक ताकतवर आर्थिक हथियार के प्रयोग के तौर पर देखा जा रहा है। इसके विपरीत प्रभाव रूस के आयात-निर्यात पर तो पड़ेगा ही साथ ही जर्मनी और नीदरलैंड जैसे पश्चिमी देश जो रूस के सस्ते गैस और तेल का आयात कर रहे थे, वे भी इसके दुष्प्रभाव से बच नहीं पाएंगे।

इस प्रतिबंध से रूस के लिए आयात का भुगतान करना और निर्यात का भुगतान पाना मुश्किल बन जाएगा। सर्वाधिक नकारात्मक प्रभाव रूस के तेल और गैस के लाभदायक निर्यात पर पड़ेगा। महत्त्वपूर्ण बात यह है कि रूस को शायद इसका पूर्वानुमान हो चुका था, जिसके विकल्प में रूस ने एसपीएफएस जैसी संस्था बना लिया है, जिसके माध्यम से अपने मित्र देशों के साथ वह व्यापार कर सकेगा। रूस क्रिप्टोकरेंसी को वैधानिकता प्रदान करके भी व्यापार को चालू रख सकता है।

वक्त रहते सर्तक नहीं किया

(मंजू प्रेम)

जिस तरह यूक्रेन और रूस के बीच स्थिति बदली, उसका किसी को भी अंदाजा नहीं था। फिर भी हमारे देश की सरकार की कुछ गलती रही। मसलन, भारतीय दूतावास द्वारा जारी की गई परामर्शी में स्पष्ट रूप से विद्यार्थियों को सतर्क नहीं किया गया था। इस कारण से विद्यार्थी भी स्थिति की गंभीरता को वक्त पर नहीं समझ सके और वे वहां फंस गए। युद्ध जैसे हालात में सरकार को सबसे पहले अपने नागरिकों की सुरक्षा का इंतजाम करना चाहिए। समय रहते उन्हें युद्ध की आशंका वाले क्षेत्रों से बाहर लाने का पर्याप्त इंतजाम करना चाहिए।

पश्चिमी देशों ने रूस पर अब तक का सबसे कड़ा प्रतिबंध लगाते हुए रूस के केंद्रीय बैंक की विदेश में रखी संपत्ति फ्रीज कर दी है। रूस के पास 630 अरब डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार है। इसमें से 300 अरब डॉलर अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व और यूरोपियन सेंट्रल बैंक (ईसीबी) में रखे हैं। इस रकम तक पहुंच रोके जाने से रूस को कड़ा झटका लगेगा। पश्चिमी देशों ने एक और अहम पाबंदी यह लगाई है कि उन्होंने रूस के बैंकों को स्विफ्ट नेटवर्क से बाहर कर दिया है। अंतरराष्ट्रीय भुगतान में इस नेटवर्क की अहम भूमिका है। स्विफ्ट यानी सोसायटी फॉर वर्ल्डवाइड इंटरबैंक फाइनैंशल टेलिकम्युनिकेशंस एक इंटरनैशनल मेसेजिंग सिस्टम है।

रूस पर पाबंदी का भारत पर क्या होगा असर

(अनुपम मानूर)

पश्चिमी देशों ने रूस पर अब तक का सबसे कड़ा प्रतिबंध लगाते हुए रूस के केंद्रीय बैंक की विदेश में रखी संपत्ति फ्रीज कर दी है। रूस के पास 630 अरब डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार है। इसमें से 300 अरब डॉलर अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व और यूरोपियन सेंट्रल बैंक (ईसीबी) में रखे हैं। इस रकम तक पहुंच रोके जाने से रूस को कड़ा झटका लगेगा। पश्चिमी देशों ने एक और अहम पाबंदी यह लगाई है कि उन्होंने रूस के बैंकों को स्विफ्ट नेटवर्क से बाहर कर दिया है। अंतरराष्ट्रीय भुगतान में इस नेटवर्क की अहम भूमिका है। स्विफ्ट यानी सोसायटी फॉर वर्ल्डवाइड इंटरबैंक फाइनैंशल टेलिकम्युनिकेशंस एक इंटरनैशनल मेसेजिंग सिस्टम है। इसके जरिये बैंक एक दूसरे से सुरक्षित तरीके से संवाद करते हैं और सुरक्षित ढंग से रकम एक देश से दूसरे देश भेजी जाती है। 11,000 अंतरराष्ट्रीय बैंक इसके सदस्य हैं।

पाबंदियों का असर – स्विफ्ट से बाहर किए जाने का मतलब है कि कई रूसी बैंक अंतरराष्ट्रीय वित्तीय व्यवस्था से बाहर हो जाएंगे। इससे उनका वैश्विक स्तर पर कामकाज करना मुश्किल हो जाएगा। ऐसे में रूस आयात के लिए भुगतान नहीं कर पाएगा। ना ही, सामान्य रास्ते से निर्यात के लिए कोई और उसे पैसा दे पाएगा। गौर करने की बात यह है कि रूसी अर्थव्यवस्था काफी हद तक तेल निर्यात पर आश्रित है। उसके जीडीपी में इसका योगदान 15-20 प्रतिशत है। वहीं, जीडीपी में कुल निर्यात का योगदान 30 प्रतिशत के करीब है। इसके प्रभावित होने से उसकी अर्थव्यवस्था को भारी चोट पहुंचेगी।

2014 में जब रूस ने यूक्रेन से क्रीमिया को अलग किया था, तब भी उस पर आर्थिक पाबंदियां लगी थीं। उस वक्त रूस के पूर्व वित्त मंत्री ने कहा था कि प्रतिबंधों से रूस की जीडीपी में 5 प्रतिशत की सिकुड़न हो सकती है। हम ईरान की मिसाल से भी स्विफ्ट से रूसी बैंकों को हटाए जाने के असर का अनुमान लगा सकते हैं। ईरान को जब स्विफ्ट से बाहर किया गया था तो तेल निर्यात से होने वाली आमदनी में 50 प्रतिशत और कुल निर्यात में 30 प्रतिशत की गिरावट आई थी।

यूक्रेन युद्ध का असर दुनिया के दूसरे देशों के साथ भारत पर भी होगा, भले ही रूस और यूक्रेन भारत के बड़े व्यापारिक साझेदार नहीं हैं। रूस पर पाबंदी लगने से वैश्विक स्तर पर तेल की आपूर्ति पर असर हुआ है। आने वाले वक्त में कच्चा तेल इस वजह से और महंगा हो सकता है। फिलहाल भारत की यह सबसे बड़ी चिंता है। इससे भारत को आयात के लिए अधिक डॉलर खर्च करने पड़ेंगे। लिहाजा चालू खाता घाटा बढ़ेगा क्योंकि भारत अपनी जरूरत का 80 प्रतिशत कच्चा तेल दूसरे देशों से खरीदता है। कच्चे तेल के दाम में बढ़ोतरी के कारण पेट्रोल-डीजल महंगा हुआ तो इससे देश में अन्य सामानों की कीमत भी बढ़ सकती है। यह भारतीय इकॉनमी के लिए बुरी खबर होगी, जहां पहले ही खुदरा महंगाई दर 6 प्रतिशत से अधिक है।

स्विफ्ट से रूसी बैंकों को बाहर किए जाने का भी असर भारत पर पड़ेगा। दोनों देशों के बीच 11.9 अरब डॉलर का द्विपक्षीय व्यापार होता है। 2021 में भारत ने रूस को 3.3 अरब डॉलर का निर्यात किया था। इसमें सबसे अधिक योगदान दवाओं का था। भारत ने पिछले साल रूस से 8.6 अरब डॉलर का आयात किया, जिसमें कच्चा तेल, पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स, कोयला, खाद, सोना, कीमती धातु और दूसरी धातुएं शामिल थीं। भारत के हथियार सौदों पर भी इसका असर हो सकता है। रूस भारत का सबसे बड़ा हथियार सप्लायर है। भारत के कुल हथियार आयात में उसका योगदान आधे से भी अधिक है। लेकिन क्या इन पाबंदियों से बचते हुए भारत और रूस के बीच द्विपक्षीय व्यापार जारी रह सकता है

रूस पर 2014 में भी आर्थिक प्रतिबंध लगे थे। उसके बाद भारत और रूस ने अपनी मुद्राओं में व्यापार का रास्ता निकाला था। अभी भी द्विपक्षीय व्यापार में एक हिस्से के लिए भारत रुपये में भुगतान करता है, न कि डॉलर में। आगे भी भारत के पास इन पाबंदियों से बचने के कुछ रास्ते होंगे। भारत और रूस द्विपक्षीय व्यापार के लिए अपनी राष्ट्रीय मुद्राओं का इस्तेमाल कर सकते हैं। या इसके लिए भारत उस रास्ते का इस्तेमाल कर सकता है, जिसका उसने ईरान के साथ व्यापार के लिए किया था। भारत और ईरान के बीच व्यापार एक पब्लिक सेक्टर बैंक में खोले गए खाते के जरिये होता था, जिसमें रुपये में रकम जमा कराई जाती थी।

भारत के विकल्प – वैसे, 2014 की पाबंदियों के बाद स्विफ्ट की तरह रूस ने एसपीएफएस सिस्टम डिवेलप किया है। द्विपक्षीय व्यापार जारी रखने के लिए कुछ भारतीय बैंक इससे जुड़ सकते हैं। इसके अलावा, ट्रेड के लिए दोनों देशों के केंद्रीय बैंकों की ओर से जारी की जाने वाली नई डिजिटल करंसी का भी इस्तेमाल किया जा सकता है। लेकिन यहां दो बातों को लेकर सावधान रहना होगा। पहला, इनमें से किसी भी विकल्प को आजमाया नहीं गया है और ना ही उन्हें परखा गया है। दूसरा, ये सिस्टम पूरी तरह तैयार नहीं हैं। इसलिए इनसे अनिश्चितता जुड़ी है।

सबसे बड़ी बात यह है कि युद्ध को लेकर भारत का रुख अभी तक न्यूट्रल रहा है। इसलिए अगर वह रूस से व्यापार के लिए वैश्विक पाबंदियों की अनदेखी करता है तो इससे पश्चिम के सहयोगी देशों के बीच गलत संदेश जाएगा। उन्हें लगेगा कि भारत रूस का पक्ष ले रहा है। इससे अमेरिका और यूरोप भारत के खिलाफ कड़े कदम उठा सकते हैं। भारत ऐसा जोखिम शायद ही उठाना चाहेगा। (लेखक तक्षशिला इंस्टिट्यूशन में असिस्टेंट प्रफेसर हैं) ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

गैर संक्रामक रोगों से मुकाबले के लिए हर्बल दवाएं बेहतर

गैर संक्रामक रोगों से मुकाबले के लिए हर्बल दवाएं काफी बेहतर हैं। हृदयरोग, कैंसर, स्ट्रोक इत्यादि गैर संक्रामक रोग (एनसीडी) के उपचार में इनका इस्तेमाल प्रभावी हो सकता है। सोसायटी फॉर एथनोफामोर्कोलॉजी, केंद्रीय आयुष मंत्रालय और बॉयोटेक्नोलॉजी विभाग के संयुक्त सम्मेलन में भारत और दुनिया के विभिन्न देशों के विशेषज्ञों ने खास तौर पर गैर संक्रामक रोगों का मुकाबला करने में जड़ी-बूटियों पर आधारित दवाओं की भूमिका पर जोर दिया।

इस सम्मेलन में कनाडा, नाइजीरिया, संयुक्त राज्य अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया सहित 40 देशों के 60 से अधिक विशेषज्ञों ने सहभागिता की। कनाडा के टोरंटो से आए डॉ.प्रदीप विसेन ने मधुमेह के टाइप-2 और कार्डियो वस्कुलर रोगों के संबंध में औषधीय पादपों की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। हृदय रोग, कैंसर और मधुमेह जैसे रोगों को पहले जहां सिर्फ संपन्न लोगों से जोड़ा जाता था, लेकिन विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) के मुताबिक अब ये वैश्विक खतरा बन चुके हैं और गरीब इनसे सबसे ज्यादा पीड़ित हो रहे हैं। एमिल फार्मा ने मधुमेह से लड़ने में बीजीआर-34 दवा की भूमिका के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि औषधीय पादपों से बनी यह दवा न सिर्फ नियमित रूप से रक्त में सर्करा की मात्रा को नियंत्रित करती है, बल्कि साथ ही हमारे मेटाबोलिज्म को भी नियंत्रित रखती है।

बांग्लादेश के ढाका विश्वविद्यालय के औषध निर्माण विज्ञान विभाग ने अपने प्रजेंटेशन में कहा कि आधुनिक चिकित्सा पद्धति की बहुत सी दवाओं को इन रोगों में प्रभावी माना गया है, लेकिन इनमें कैंसर कारक तत्व होते हैं और ये लीवर को गंभीर क्षति पहुंचाती हैं। उनके अध्ययन में जड़ी-बूटियों में पाए गए प्राकृतिक तत्वों की प्रभावशीलता को रेखांकित किया है। इनके अलावा नाइजीरिया की टेक्सोकोलॉजी यूनिवर्सिटी ऑफ अबुजा ने कार्डियोवस्कुलर रोगों में पादपों के औषधीय महत्व पर चर्चा की। उन्होंने इसका अध्ययन जानवरों पर भी किया है। ऑस्ट्रेलिया में त्रिगोनेला लैब्स के निदेशक डॉ. दिलिप घोष ने मधुमेह के प्रबंधन में फेनुग्रीक बीज की भूमिका पर चर्चा की, जिसे संयुक्त राज्य अमेरिका में जीआरएएस (सामान्य तौर पर सुरक्षित) का दर्जा दिया।

डायबिटीज की यह दवाई बना सकती है आपको दिल का मरीज

डायबिटीज से पीड़ित लोगों को कई तरह की सावधानियां बरतने के साथ ही इसे नियंत्रित रखने के लिए दवाइयों का सेवन भी करना पड़ता है.ऐसी ही दवाइयों में से एक है रोसिग्लिटाजोन, जो कि डायबिटीज टाइप-2 के मरीज खाते हैं.यूनाइटेड स्टेट्स फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) ने 1999 में इस दवा को अवांदिया ड्रग्स के नाम से मंजूरी दी थी.अभी हाल में हुए एक रिसर्च में यह बात सामने आयी है कि यह दवा खाने से दिल की बीमारी 33 प्रतिशत तक अधिक बढ़ सकती है. मेडिकल न्यूज टुडे की खबर के अनुसार, इसके दुष्प्रभावों को देखते हुए यूरोप में इस दवा के इस्तेमाल पर सख्त मनाही है.गौरतलब है कि अपने देश में इस दवा की बिक्री होती है.रिपोर्ट के अनुसार, न्यू हैवन के येल स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ के जोशुआ डी वालेक के मुताबिक, दूसरों की तुलना में अवांदिया दवा खाने वाले लोगों में दिल से संबंधित बीमारी होने का खतरा 33 प्रतिशत ज्यादा हो जाता है.

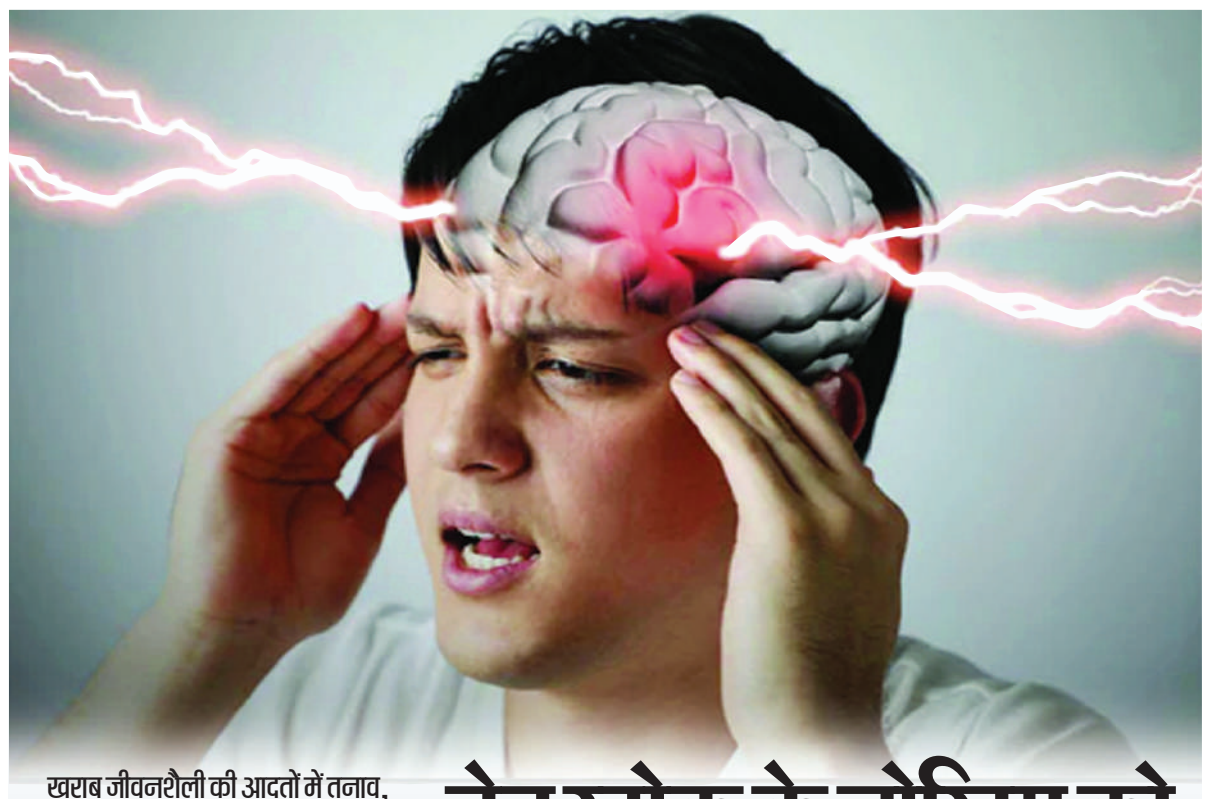

ब्रेन स्ट्रोक के जोखिम को कम करती है हेल्दी डाइट

खराब जीवनशैली की आदतों में तनाव, धूम्रपान, शराब का अत्यधिक सेवन, जंक फूड का सेवन और शारीरिक गतिविधि में कमी आदि शामिल हैं, जो भविष्य में स्ट्रोक का कारण बनती हैं, जबकि एक हेल्दी डाइट स्ट्रोक के 80 प्रतिशत मामलों को रोकने में मदद करती है. हेल्दी डाइट न केवल स्ट्रोक के जोखिम कारकों को कम करने में मदद करती है, बल्कि समग्र स्वास्थ्य को भी सही रखने में मदद करती है.स्ट्रोक के जोखिम को बढ़ाने वाले कारकों में उच्च रक्तचाप, डायबिटीज और कोलेस्ट्रॉल का उच्च स्तर शामिल हैं, जो हेल्दी डाइट की मदद से संतुलित रखे जा सकते हैं.

उच्च रक्तचाप को रोकने के लिए डाइट

विशेष आहार या पोषक तत्वों के सेवन की लिमिट को तय करने से कोई फायदा नहीं है. ऐसी कई डाइट गाइडलाइंस हैं, जो पूरे डाइट पैटर्न के पालन की सलाह देती हैं. इन गाइडलाइंस के अनुसार, मीट का सेवन कम-से-कम करना चाहिए और ताजा फल व सब्जियों का अधिक-से-अधिक सेवन करना चाहिए.सब्जियां, फल और कम वसा वाले डेयरी फूड (दूध, दही आदि) के साथ कम फैट वाला आहार उच्च रक्तचाप के स्तर को कम करने में मदद करता है. अपने खाने में मछली, गेहूं, नट्स और पोल्ट्री को शामिल करें और रेड मीट, मिठाई और चीनी वाले जूस या कोल्ड ड्रिंक आदि का सेवन कम कर दें.यह डाइट प्लान सही पोषण की मदद से रक्तचाप को संतुलित बनाये रखने में मदद करता है.यदि उच्च रक्तचाप को केवल हेल्दी डाइट और मेडिकेशन से रोका जा सकता है, तो स्ट्रोक के 90 प्रतिशत मामलों को भी रोका जा सकता है.

शाकाहारी आहार को अपनाने की जरूरत इस तरह के आहार में फैट कम नहीं होता है, लेकिन यह कम ग्लाइसेमिक वाला आहार होता है, जिसमें मात्र 40 प्रतिशत कैलोरी होती है. इससे केवल लाभकारी वसा मिलती है जैसे- जैतून व कनोला तेल से मिलने वाली वसा शरीर के लिए फायदेमंद होती है.इसके अलावा कैलोरी गेहूं, फल, सब्जियां और फलियां आदि से मिलती है.डायबिटीज और उच्च रक्तचाप वाले मरीजों में स्ट्रोक होने का खतरा सबसे ज्यादा होता है.डायबिटीज रक्त वाहिकाओं और नसों को नुकसान पहुंचा सकती हैं, जो स्ट्रोक का कारण बनती है. विभिन्न अध्ययनों के अनुसार, दालचीनी, मेथी के बीज, हल्दी की चाय, जीरा, लहसुन, इलायची, सौंफ, अदरक, आंवला, पालक, लौकी, फाइबर युक्त आहार, बादाम, करेला आदि चीजों को अपनी डाइट में शामिल करने से स्ट्रोक के खतरे में 47 प्रतिशत कमी लायी जा सकती है.रिपोर्ट्स के अनुसार, कोलेस्ट्रॉल का सेवन कम-से-कम किया जाना चाहिए.मछली या चिकन की तुलना में रेड मीट में फैट चार गुना ज्यादा होता है, जो स्ट्रोक के खतरे को अधिक बढ़ाता है.

कैसी डाइट का पालन करें

जिन मरीजों में स्ट्रोक की आशंका अधिक है, उन्हें मीट, रेड मीट और अंडे के पीले हिस्से के सेवन से बचना चाहिए.उन्हें लाभकारी तेल जैसे- जैतून और कनोला के तेल, गेहूं, सब्जियां, फलों और फलियों को अपनी डाइट में शामिल करना चाहिए.अंडे का सफेद हिस्सा प्रोटीन का अच्छा स्रोत होता है, इसलिए ऑमलेट और अंडे व सलाद से बने सैंडविच का सेवन करना चाहिए.बस ध्यान रखें कि उसमें अंडे का पीला हिस्सा नहीं होना चाहिए.

शराब का सेवन करने से बचें

शराब ब्रेन हेमरेज का खतरा बढ़ाता है.शराब से रक्तचाप का स्तर भी बढ़ता है, जिससे धमनी की अंदरूनी दीवार को नुकसान पहुंचता है.इसका यह मतलब है कि मस्तिष्क में खून का प्रवाह कम हो जाता है.शराब के अधिक सेवन से हृदय को भी नुकसान पहुंचता है, जिससे धड़कनों में गड़बड़ी की समस्या होती है.इसके परिणामस्वरूप, हृदय में थक्के बन सकते हैं, जिससे मस्तिष्क में खून का प्रवाह कम हो सकता है.

धूम्रपान करना बंद करें

स्ट्रोक निकोटिन से नहीं, बल्कि धुएं से होता है.आपको जान कर आश्चर्य होगा कि धूम्रपान स्ट्रोक के खतरे को तीन गुना बढ़ा देता है, इसलिए इसका सेवन बंद करना आवश्यक है.जब आप धूम्रपान करते हैं, आप धुएं को अंदर लेते हैं, जिसमें 7000 से ज्यादा जहरीले केमिकल मिले होते हैं.ये केमिकल आपके फेफड़ों से गुजरते हुए आपके पूरे शरीर के खून में मिल जाते हैं, जो शरीर की कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाती हैं.

4 से 5 घंटे के अंदर स्ट्रोक का उपचार संभव

स्ट्रोक का उपचार के लिए यह जानना सबसे जरूरी है कि स्ट्रोक किस प्रकार का है व इससे मस्तिष्क का कौन-सा भाग प्रभावित हुआ है.इसके अलावा जल्दी-से-जल्दी मरीज को अस्पताल ले जाने की जरूरत होती है. स्ट्रोक के द्वारा जो नुकसान होता है, उसे रोकने के लिए क्लॉट बस्टिंग ड्रग्स के पास 4 से 5 घंटे से कम का समय होता है.जिन मरीजों के मस्तिष्क की बड़ी धमनियां ब्लॉक हो गयी हैं, उनके लिए मेकैनिकल थ्रॉम्बेक्टोमी की सलाह सबसे अधिक दी जाती है.ब्लॉक हुई धमनियों को खोलने के लिए, डॉक्टर मूल क्षेत्र की धमनी से मस्तिष्क के प्रभावित क्षेत्र के लिए एक केथेटर डालते हैं. स्टेंट खुलता है और क्लॉट को जकड़ लेता है, डॉक्टर उस स्टेंट को क्लॉट सहित बाहर निकाल लेते हैं. इसके लिए खास सक्शन ट्यूब का भी प्रयोग होता है.यह प्रक्रिया स्ट्रोक के गंभीर लक्षणों के 6 घंटे के अंदर की जानी चाहिए. 80 प्रतिशत से अधिक मरीजों में ब्लॉकेज को खोल दिया जाता है और धमनियों में प्रवाह को पुन : स्थापित कर दिया जाता है. इससे लगभग 60 प्रतिशत मरीजों की हालत में तेजी से सुधार आता है.

शुरुआती लक्षण और संकेत

- देखने में अचानक दिक्कत होना
- चक्कर आना
- चलने में अचानक तकलीफ
- बोलने में दिक्कत
- चेहरे में अचानक संवेदनशून्यता का आभास
- तेज सिरदर्द
- अचानक भ्रम की स्थिति व समझने में दिक्कत
- बांह में अचानक संवेदन शून्यता या कमजोरी

नोट : आमतौर पर सबाराकनॉइड हेमरेज में बिना वजह अचानक भयंकर सिरदर्द होने लगता है.इसके साथ ही उल्टी, दौरा या मानसिक चेतना का अभाव जैसी शिकायतें भी होती हैं.इन मामलों में नॉन-कॉन्ट्रास्ट सीटी स्कैन तत्काल करा लेना चाहिए.

योग व ध्यान से होता है तेज दिमाग

योगियों के ध्यान व योग से दिमाग तेज होने वाले दावे की पुष्टि हुई है। एक नए शोध में यह सामने आया है कि ध्यान व श्वास से जुड़े व्यायाम जैसे प्राणायाम दिमाग को मजबूत बनाने व कार्यो पर ध्यान केंद्रित करने में मददगार साबित होता है। डबलिन के त्रिनिटी कॉलेज के शोध के प्रमुख खोजकर्ता इयॉन रॉबर्टसन ने कहा, 'हमारा शोध बताता है कि श्वास केंद्रित व्यायाम व दिमाग की स्थिरता के बीच मजबूत संबंध है।' इस शोध के निष्कर्षो का प्रकाशन पत्रिका 'साइकोफिजियोलॉजी' में किया गया है। इसमें श्वसन व ध्यान के बीच न्यूरोफिजियोलॉजिकल संबंध को बताया गया है। शोध से पता चलता है कि सांस लेना ध्यान का एक प्रमुख तत्व व दिमागी व्यायाम है। यह सीधे तौर पर दिमाग में प्राकृतिक रासायनिक संदेशवाहक के स्तर को प्रभावित करता है, जिसे नॉरएड्रीलीन कहते हैं। यह रासायनिक संदेशवाहक हमारे चुनौती, उत्सुकता, व्यायाम, ध्यान केंद्रित या भावनात्मक रूप से उत्तेजित होने पर जारी होते हैं, यदि यह सही स्तर पर उत्पन्न होते हैं तो यह दिमाग को नए संपर्क बनाने में मदद करते हैं। यह दिमाग के लिए टॉनिक के तौर पर काम करता है।

डिप्रेशन-एसिडिटी से दूर रखता है टमाटर

टमाटर का स्वाद थोडा खट्टा थोडा मीठा। टमाटर हर सब्जी को स्वादिष्ट और जायकेदार बनाता है, यह तो सब जानते हैं लेकिन एक नए अध्ययन में इसके एक अन्य गुण का पता चला है कि यह अवसाद से दूर रखने में सहायक है। टमाटर में भरपूर मात्रा में विटामिन सी, कैल्शियम, फास्फोरस पाये जाते हैं। एसिडिटी की शिकायत होने पर टमाटरों की खुराक बढाने से यह शिकायत दूर हो जाती है।

अनुसंधानकर्ताओं ने इसके लिए 70 अथवा उससे अधिक उम्र के करीब 1000 पुरूष और महिलाओं के भोजन की आदत और उनके मानसिक स्वास्थ्य का विश्लेषण किया।

- टमाटर ब्लड प्रेशर के मरीजों के लिए बहुत लाभकारी होता है।
- टमाटर खान से स्किन जवां देखती है और त्वचा से संबंधित रोग नहीं होते है। यानी टमाटर आपको जवां रखता है।
- चीन और जापान के अनुसंधानकर्ताओं द्वारा किए गए अध्ययन में पाया गया कि अन्य फलों और सब्जियों के सेवन से यह लाभ नहीं मिलता। मानसिक रूप से स्वस्थ रहने में गोभी गाजर प्याज और कद्दू में बहुत कम लाभदायक हैं या बिल्कुल भी फायदेमंद नहीं हैं।
- उन्होंने पाया कि जो लोग एक हफ्ते में दो से छह बार टमाटर खाते हैं उन्हें उन लोगों की तुलना में अवसाद से पीडित होने का खतरा 46 प्रतिशत कम होता है जो हफ्ते में केवल एक बार टमाटर खाते हैं अथवा नहीं खाते। अनुसंधानकर्ताओं ने इसके लिए 70 अथवा उससे अधिक उम्र के करीब 1000 पुरूष और महिलाओं के भोजन की आदत और उनके मानसिक स्वास्थ्य का विश्लेषण किया।
- टमाटर में एंटीआक्सीडेंट रसायन काफी होता है जो कुछ बीमारियों से बचाने में मददगार होता है।

हाजमा दुरस्त करती है अदरक

अदरक का भारतीय मसालों में खूब प्रयोग किया जाता है। यही नहीं अदरक मॉनसून सीजन में बीमारियों से भी बचती है। अदरक में कैल्शियल, आयरन, कॉपर, मैग्नीशियम जिंक आदि मिनरल भरपूर मात्रा में पाये जाते हैं। तो आइए जानते हैं अदरक के लाभकारी गुणों के बारे में

- अदरक का रस कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल रखता है, जिससे दिल की बीमारी की संभावना घट जाती है। अगर अदरक नियमित रूप से सेवन हो तो पाचन संबंधी समस्याएं जैसे- गैस, बदहजमी, अपच दूर हो जाती है।
- बीमारियों से जैसे नाक से पानी बहना, सिरदर्द और सर्दी को तुरंत दूर कर देती है। एक कप अदरक, शहद और तुलसी के पत्तो वाली याय बनाकर पीने से जुखाम में राहत मिलती है।
- अगर जोडो के दर्द से परेशान है तो सूखी अदरक के पाउडर का सेवन करने से जोडो में पैदा होने वाली सूजन और दर्द से छुटकारा मिलता है। अदरक में कैल्शियल, आयरन, कॉपर, मैग्नीशियम जिंक आदि मिनरल भरपूर मात्रा में पाये जाते हैं।
- त्वचा में चमक लाये- चेहरे पर अदरक का पेस्ट लगाकर कुछ देर छोड दें। फिर पानी से धो लें कुछ ही दिनों में चेहरा चमकने लगेगा।
- अदरक के 10 से 20 मिलीलीटर रस में गुड मिलाकर सुबह-सुबह पी लें। इससे सभी प्रकार की सूजन जल्दी ही कम हो जाती है।

आंखों को स्वस्थ रखने के लिए रोजाना खाएं संतरा

अगर आप अपनी उम्र के साथ अपनी आंखों को स्वस्थ रखना चाहते हैं और अपनी दृष्टि नुकसान को रोकना चाहते हैं, तो हर रोज एक संतरे का सेवन काफी मददगार हो सकता है। ऐसा एक शोध में सामने आया है। आंख में मैकुलर क्षय उम्र से जुड़ी हुई एक स्थिति है, जिससे दृष्टि क्षेत्र के केंद्र में दिखाई देने में दिक्कत आती है। शोध के नतीजे बताते हैं कि जिन लोगों ने हर रोज कम से कम एक बार संतरे खाए, उनमें 15 साल बाद मैकुलर क्षय के विकसित होने की संभावना 60 फीसदी कम रही। यह प्रभाव संतरे में मौजूद फ्लेवोनवाएड्स की वजह से हैं, जो दृष्टि हानि को रोकता है। फ्लेवोनवाएड्स प्रभावशाली एंटीऑक्सिडेंट होते हैं, जो करीब सभी फलों और सब्जियों में पाए जाते हैं। यह इम्यून सिस्टम के लिए फायदेमंद है। सिडनी विश्वविद्यालय की बामिनि गोपीनाथ ने कहा, हमने पाया कि जिन लोगों ने हर रोज संतरे खाए थे, उनमें कभी संतरे नहीं खाने वालों की तुलना में मैकुलर क्षय होने का खतरा कम था। उन्होंने कहा, यहां तक कि हफ्ते में एक बार संतरा खाने से भी महत्वपूर्ण लाभ दिखाई देता है। इस शोध को अमेरिकी पत्रिका, क्लिनिकल न्यूट्रिशन में प्रकाशित किया गया है। इसमें शोध दल ने 2000 लोगों पर अध्ययन किया, जिनकी आयु 50 साल से ऊपर थी।

38 देशों के ऊपर से अब नहीं उड़ सकते रूसी विमान, स्वीफ्ट से भी बाहर

पुतिन को हमले की कितनी बड़ी कीमत चुकानी पड़ी?

कीव/वाशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने 2 मार्च को अमेरिकी संसद में 'स्टेट ऑफ द यूनियन' स्पीच दी। अपनी स्पीच में बाइडेन ने कहा- पुतिन को अंदाजा भी नहीं है कि इन प्रतिबंधों से रूस को कितना नुकसान होगा। पुतिन को युद्ध के मैदान में बढ़त मिल रही है, लेकिन उन्हें लंबे समय तक इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी। इस वक्त जिस अनुपात में रूस की सेना यूक्रेन पर हावी होती जा रही है, उसी हिसाब से रूस पर प्रतिबंध भी बढ़ते जा रहे हैं। खेल के मैदान से लेकर एयरस्पेस तक, स्वीफ्ट से बाहर करने से लेकर अरबपतियों की संपत्ति जब्त करने तक; रूस पर प्रतिबंधों के जरिए दबाव बनाने की कोशिशें जारी हैं।

सरकारी बैंकों के वित्तीय लेन-देन पर रोक

सरकारी और प्राइवेट बैंकों पर लगाए जाने वाले प्रतिबंध से रूस को कितना नुकसान हुआ है, इसे इस बात से समझ सकते हैं कि यूनाइटेड किंगडम में रूस के VTB बैंक के करीब 10.97 लाख करोड़ रुपए सरकार ने जब्त कर लिए हैं। UK की तरह ही अमेरिकी ने भी रूस की टॉप फाइनेंशियल इंस्टीट्यूट नोवीकॉम, सोवोकॉम, ओटीक्रिटी के 6.05 लाख करोड़ रुपए जब्त कर लिए हैं। कुल 11 देशों में बड़े पैमाने पर रूसी बैंकों के वित्तीय लेनदेन पर रोक लगाई गई है। वहीं, यूरोपीय देशों में रूस के आधे दर्जन से ज्यादा बैंकों और दूसरी संस्थाओं की संपत्ति जब्त की गई हैं। अब तक बैंकों और बिजनेस पर लगाए गए प्रतिबंधों की वजह से रूसी रूबल 30 फीसदी तक टूट चुका है। सिर्फ शॉर्ट टर्म में ही नहीं बल्कि लॉन्ग टर्म में भी इससे रूस की अर्थव्यवस्था पर बुरा असर पड़ने वाला है।

इंपोर्ट-एक्सपोर्ट और प्राइवेट कंपनियों के बिजनेस पर रोक

रूस ओर यूरोपीय देशों के बीच 2021 वित्त वर्ष में 21.40 लाख करोड़ रुपए का कुल ट्रेड या व्यापार था। यह रूस के कुल ट्रेड का 35.7 फीसदी है। अमेरिका से रूस का साल 2021 में 2.61 लाख करोड़ रुपए ट्रेड रहा है। अमेरिका और यूरोपीय देशों के ट्रेड को मिला दें तो रूस से कुल 24 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का सलाना ट्रेड होता है। वहीं, यूक्रेन की GDP 11.77 लाख करोड़ रुपए का है। मतलब इस जंग से रूस को जितना ट्रेड घाटा होने वाला है वह यूक्रेन की कुल त्रष्ठक्क से ज्यादा है। हालांकि, इसका असर यूरोपीय देशों पर भी पड़ना तय है। ऐसे में साफ है कि यूरोपीय देशों और अमेरिका के लगाए गए प्रतिबंधों की वजह से रूस का करीब 40 फीसदी वैश्विक व्यापार प्रभावित होगा। स्वीफ्ट यानी सोसायटी फॉर वर्ल्डवाइड इंटरबैंक फाइनेंशियल टेलीकम्युनिकेशन। यह दुनिया के 200 देशों का एक ऐसा नेटवर्क है, जो करीब 198 से ज्यादा बैंकों के ऑनलाइन

सरकार को पर्यावरण की चिंता

मोदी ने 'एनर्जी फॉर सस्टेनेबल ग्रोथ' वेबिनार को संबोधित किया

कहा घर पर सोलर ट्री लगाने की जरूरत

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज एनर्जी फॉर सस्टेनेबल ग्रोथ विषय पर एक वेबिनार को आज संबोधित किया। उन्होंने सोलर, हाइड्रोजन, एलईडी बल्ब के इस्तेमाल पर जोर दिया। साथ ही सस्टेनेबल एनर्जी के लिए सरकार ने जो कदम उठाए उनको भी गिनाया। मोदी ने घर के बाग-बगीचे या बालकनी में एक सोलर ट्री लगाने को कहा ताकि ये सोलर ट्री घर की 10-20 फीसदी बिजली बचाने में मदद करें। वेबिनार में अलग-अलग मंत्रालयों और राज्य सरकारों के अधिकारी साथ ही उद्योग प्रतिनिधि और अन्य विशेषज्ञों ने हिस्सा लिया। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने कहा कि एनर्जी और सस्टेनेबल ग्रोथ हमारी पुरातन परंपराओं से प्रेरित है और भविष्य की जरूरत और आकांक्षाओं को पूरा करने का रास्ता है। हमारा मानना है कि सस्टेनेबल ग्रोथ सस्टेनेबल एनर्जी से ही हो सकता है। हमने ग्लासगो में 2070 तक नेट जीरो के स्तर तक पहुंचने का वादा किया है। मैंने कॉप-26 में सस्टेनेबल लाइफस्टाइल को बढ़ावा देने के लिए लाइफ मिशन की बात की थी।

2030 तक फॉजिल सोर्स से 50 फीसदी तक एनर्जी

2030 तक हमारा टारगेट फॉजिल सोर्स से 50 फीसदी तक एनर्जी प्राप्त करना है। इस बार बजट में हमने हाई कैपासिटी वाले सौर मॉड्यूल बनाने के लिए 19,500 करोड़ रुपए की घोषणा की है। हमने नेशनल हाइड्रोजन मिशन की भी घोषणा की है। हाइड्रोजन ईकोसिस्टम फर्टिलाइजर, रिफाइनरीज और ट्रांसपोर्ट सेक्टर से जुड़ा हुआ है। इस क्षेत्र में क्क्रू ने प्राइवेट सेक्टर को काम करने का अनुरोध भी किया।

ज्यादा एनर्जी-कैपेसिटी वाले एसी, हीटर और गीजर बनाने की जरूरत

रेन्युअल एनर्जी के साथ एनर्जी स्टोरेज भी एक बड़ी चुनौती है। हमने स्टोरेज कैपेसिटी को भी प्रायोरिटी दी है। इस साल के बजट में हमने बैटरी स्वैपिंग पॉलिसी और इंटर-ऑपरेबिलिटी स्टैंडर्ड्स के कई प्रोविजन किए हैं। सस्टेनबलिटी के लिए एनर्जी सेविंग और प्रोडक्शन जरूरी है। हमें भारत में ज्यादा एनर्जी-कैपेसिटी वाले एसी, हीटर, गीजर और इसी तरह के डिवाइसों को बनाने के लिए बहुत कुछ करने की जरूरत है।

सरकार ने गरीबों को 37 करोड़ एलईडी बल्ब दिए

एलईडी बल्ब की कीमत 300-400 रुपए हुआ करती थी। हमारी सरकार ने इसका प्रोडक्शन बढ़ाया, इससे कॉस्ट कम हुई। हमने उजाला के तहत लगभग 37 करोड़ एलईडी बल्ब दिए हैं, जिससे बहुत सारी बिजली, गरीबों का पैसा और कार्बन उत्सर्जन में कमी हुई है। हमने कोयला गैसीकरण के लिए चार पायलट प्रोजेक्ट तैयार किए हैं और इथेनॉल के इस्तेमाल को भी बढ़ावा दिया है।

सौर गैस स्टार्ट-अप के लिए बड़ा बाजार

हमें अपनी चीनी मिलों और डिस्टिलरीज को मॉर्डन बनाने की जरूरत है। हमारी ऊर्जा मांग लगातार बढ़ रही है और इस तरह, भारत को रेन्यूवल एनर्जी की ओर बदलाव की जरूरत है। हमें स्वच्छ खाना पकाने को भी आगे बढ़ाने की जरूरत है। सौर गैस हमारे स्टार्ट-अप के लिए एक बड़ा बाजार हो सकता है।

घर पर सोलर ट्री डेवलप करने की जरूरत

हम घर के बाग-बगीचे या बालकनी में हर परिवार के एक सोलर ट्री की एक नई अवधारणा डेवलप कर सकते हैं, ये सोलर ट्री घर की 10-20 फीसदी बिजली में मदद कर सकता है। ये घर की पहचान भी बन जाएगा कि सोलर ट्री वाला घर पर्यावरण के प्रति जागरूक नागरिकों का घर है।

यूक्रेन से छात्रों की वतन वापसी का मामला

सुप्रीम कोर्ट ने वकील से कहा-संवेदनशील हालातों का फायदा न उठाएं, अगली सुनवाई 11 मार्च को

नई दिल्ली

यूक्रेन में फंसे छात्रों को सुरक्षित भारत लाने के लिए सुप्रीम कोर्ट में दो याचिकाएं लगाई गई हैं। इनकी सुनवाई शुक्रवार को चीफ जस्टिस एनवी रमना, न्यायमूर्ति बोपन्ना और हेमा कोहली की बेंच ने शुरू कर दी है। बेंच ने अटॉर्नी जनरल की दलीलें सुनने के बाद मामले की सुनवाई अगले शुक्रवार यानी 11 मार्च तक स्थगित कर दी है।

सुप्रीम कोर्ट में इस तरह हुई याचिकाओं पर चर्चा

एडवोकेट तिवारी- मुख्य चिंता नागरिक हैं जो खार्किव जैसे शहरों में फंसे हुए हैं। ये रोमानिया जैसे शहरों से बहुत दूर हैं। CJI रमना- हमें सुप्रीम कोर्ट वेबसाइटों से पता चला है आप इस तरह की याचिकाएं दायर करते हैं। कई को कॉस्ट के साथ बर्खास्त कर दिया गया था। यदि आप कुछ करना चाहते हैं तो पेपर कटिंग के साथ याचिका दायर करने का यह सही तरीका नहीं है। आप जानते हैं कि यह एक संवेदनशील स्थिति है, हम कुछ नहीं कह सकते, फायदा उठाने की कोशिश न करें। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि हमने अतीत के युद्धों से कुछ नहीं सीखा। इसमें हमें कुछ नहीं कहना है। लेकिन छात्रों की चिंता हमें है। वेणुगोपाल- कल सीमा पर फंसी महिला के बारे में सिंधिया को बताया गया जो पहले से वहां हैं।

न्यूज ब्रीफ

भागलपुर में बम बनाते समय विस्फोट, 12 की मौत

भागलपुर। बिहार के भागलपुर में बम बनाते समय हुए विस्फोट में 12 लोगों की मौत हो गई है। शहर के काजवली चक इलाके में गुरुवार रात करीब 11.30 बजे बम फटने से चार घर ढह गए। इनके मलबे में लोग अब भी फंसे हुए हैं। इन्हें निकालने की कोशिश की जा रही है। सुबह पौने 12 बजे तक 12 शव निकाले गए हैं। विस्फोट में 11 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। इनका इलाज चल रहा है। पुलिस को मलबे से 5 किलो बारूद और काफी संख्या में लोहे की कीलें मिली हैं। इस वजह से पुलिस बम ब्लास्ट के एंगल से भी जांच कर रही है। कुछ ही दिनों पहले ढ्ढक्चने भी भागलपुर पुलिस को अलर्ट किया था। घटना पर पीएम मोदी ने भी शोक जताते हुए ट्वीट किया। और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से फोन पर बात की। विस्फोट से करीब 5 किलोमीटर का इलाका दहल उठा। दस हजार परिवार पूरी रात दहशत में गुजारी। भागलपुर एसएसपी बाबूराम ने कहा कि यहां तीन लोग पटाखा बनाने का काम करते थे। इसी में अचानक विस्फोट होने से आसपास के चार मकान गिरने और मलबे में लोगों के दबने से मौतें हुई हैं। कुछ लोगों ने बताया है कि लीलावती देवी के मकान में विस्फोट हुआ है। एफएसएल की टीम जांच कर रही है। पूरी रिपोर्ट आने के बाद पता चलेगा कि विस्फोटक किस तरह का था। घायलों का इलाज भागलपुर के मायागंज अस्पताल में चल रहा है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अफसर घटनास्थल पर पहुंच गए। जमींदोज हुए मकानों के मलबे को हटाने का काम चल रहा है। विस्फोट के दौरान मौजूद पड़ोसी निर्मल साह उर्फ लड्डू ने बताया कि परिवार के सभी सदस्य खाना खाकर घर में सो रहे थे। वह भी घर के बाहर बैठे थे तभी तेज धमाका हुआ।

यूक्रेन से नवीन का शव लाने को लेकर BJP MLA का शर्मनाक बयान, कहा-

फ्लाइट में ताबूत ज्यादा जगह घेरता है

नई दिल्ली

यूक्रेन में जान गंवाने वाले कर्नाटक निवासी छात्र नवीन शेखरप्पा का शव भारत लाने के सवाल पर कर्नाटक के भाजपा विधायक ने अमानवीय बयान दिया है। अरविंद बेलाडी ने पत्रकारों से कहा- फ्लाइट में एक शव का ताबूत 8 से 10 लोगों की जगह घेरता है। शव लाने की जगह विमान में लोगों को लाया जा सकता है। बेलाडी हुबली-धारवाड़ क्षेत्र के विधायक हैं। नवीन इसी क्षेत्र के निवासी है। यूक्रेन से दिल्ली पहुंचे 219 छात्रों का विदेश राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी और आईटी राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने शुक्रवार को इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर स्वागत किया। लेखी ने कहा- हम यूक्रेन और उसके आसपास के सभी देशों के संपर्क में हैं और वे हमारे नागरिकों और छात्रों को निकालने में मदद कर रहे हैं। उन्होंने यूक्रेन में फंसे छात्रों के माता-पिता से धैर्य रखने का अनुरोध किया और आश्वासन दिया कि सरकार सभी छात्रों को सुरक्षित रूप से निकाल देगी। लेखी ने कहा- अब तक 9,000 से अधिक छात्र देश से देश लौट चुके हैं।

यूक्रेन में फंसे भारतीयों को वापस लाने के अभियान %ऑपरेशन गंगा% के तहत अगले 24 घंटो में 18 विमान भारतीयों को लेकर लौटेंगे। शुक्रवार को 3,500 भारतीयों को स्वदेश लाया जाएगा। वहीं, शनिवार को 3,900 भारतीयों को वापस लाया जाएगा। शुक्रवार तड़के और फिर सुबह रोमानिया से भारतीयों को लेकर दो उड़ानें मुंबई पहुंची। रेल राज्यमंत्री रावसाहेब पाटिल दानवे ने यात्रियों का स्वागत किया। एक अन्य विमान दिल्ली में लैंड हुआ। इससे लौटे यात्रियों का स्वागत केंद्रीय राज्यमंत्री निशीत प्रमाणिक ने किया। इधर, रूस के रास्ते भी भारतीयों को वापस लाया जाएगा। इसके लिए वायु सेना आई एल-76 विमान का उपयोग करेगी। यह विमान रुस से ही हमें मिला है। वायु सेना के तीन ष्ट-17 ग्लोब मास्टर शुक्रवार सुबह 630 स्टूडेंट्स को लेकर हिंडन एयरबेस पर उतरे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने बताया कि इनमें 3 फ्लाइट भारतीय वायुसेना के ष्ट-17 ग्लोबमास्टर की हैं, अन्य कमर्शियल फ्लाइट हैं। इनमें एयर इंडिया, इंडिगो, स्पाइस जेट, गो एयर और गो फर्स्ट की फ्लाइट शामिल हैं।?

हिंडन एयर बेस पर पहुंचा वायु सेना का ग्लोब मास्टर कार्गो विमान।

देश में 6,396 नए केस सामने आए

महाराष्ट्र में वैक्सीनेटेड लोगों में से केवल 5 फीसदी को ही ओमिक्रॉन के कारण भर्ती कराना पड़ा

नई दिल्ली

देश में कोरोना के मामले लगातार कम हो रहे हैं। पिछले 24 घंटों के दौरान देश में कोरोना के 6,396 मामले आए। वहीं 201 लोगों की मौत हो गई। 13,450 लोग कोरोना को हराकर ठीक हुए। देश में कोरोना के एक्टिव केस घटकर 69,897 रह गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव लव अग्रवाल ने बताया कि भारत में जनवरी महीने में कोरोना के रोजाना तीन लाख से अधिक मामले दर्ज किए गए। अब वही मामले औसतन 96.4 फीसदी के हिसाब से घटकर हफ्ते में 11,000 मामले तक पहुंच गए हैं। दुनिया से तुलना करें तो रोजाना मामलों के सिर्फ 0.7 फीसदी मामले ही भारत में सामने आ रहे हैं। भारत में 2-8 फरवरी में 615 मृत्यु हुई। वहीं पिछले हफ्ते में 144 मृत्यु हुई है।

टीका नहीं लगवाने वाले अधिक संख्या में अस्पताल में भर्ती हुए

उधर, बीएमसी के डेटा के मुताबिक मुंबई में कोरोना के ओमिक्रॉन वैरिएंट की चपेट में आए वैक्सीनेटेड लोगों में से केवल पांच प्रतिशत को ही इलाज के लिए अस्पतालों में भर्ती कराना पड़ा। वहीं जिन्होंने वैक्सीन की एक डोज भी नहीं लगाई, ऐसे लोगों में से जो ओमिक्रॉन की चपेट में आए, उनमें से 17 फीसदी को अस्पतालों में भर्ती कराना पड़ा।

केंद्र बोला- कोरोना टीके की हर खुराक कीमती, बर्बाद न होने दें राज्य

केंद्र सरकार का कहना है कि कोरोना टीके की हर खुराक कीमती है, इसे किसी भी तरह बर्बाद नहीं होने दें। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने इस बारे में राज्य व केंद्र शासित प्रदेशों को पत्र लिखा है। इसके लिए टीकाकरण की रोजाना समीक्षा को जरूरी बताया है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने साथ ही कहा कि निजी टीकाकरण केंद्रों पर काफी खुराक एक्सपायर होने वाली हैं। राज्य सरकार चाहे तो इन केंद्रों से सरकारी केंद्रों पर मौजूद वैक्सीन को बदल सकते हैं। ताकि सरकारी टीकाकरण केंद्रों पर इनका इस्तेमाल समय पर कर लिया जाए। मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव विकास शील ने हाल ही में राज्यों और केंद्र-शासित प्रदेशों को निजी कोविड-19 टीकाकरण केंद्रों पर एक्सपायर होने वाली खुराकों के संबंध

हरियाणा के अंकित की दरियादिली

यूक्रेन में फंसी पाकिस्तानी लड़की को बमबारी के बीच 25 किमी पैदल चलकर बचाया

कीव

यूक्रेन-रूस जंग में हरियाणा के अंकित की तारीफ पाकिस्तानी अफसर भी कर रहे हैं। दरअसल, रूसी हमले के दौरान अंकित ने एक पाकिस्तानी लड़की की जान बचाकर उसे रोमानिया बॉर्डर तक पहुंचाया। अंकित वहां पर पॉलिटेक्निक इंस्टीट्यूट में यूक्रेनी लैंग्वेज के स्टूडेंट हैं।

अंकित ने बताया कि 25 फरवरी को रात 2:30 बजे इंस्टीट्यूट से तीन किलोमीटर दूर ब्लास्ट हुआ। उसके बाद लगभग 80 स्टूडेंट्स को बंकर में भेज दिया गया। इनमें मैं अकेला भारतीय था। वहां एक पाकिस्तानी लड़की मारिया थी जो बेहद डरी हुई थी। वहां आसपास लगातार ब्लास्ट होने पर मैंने वहां से निकलने का फैसला किया।

बमबारी में पैदल चलकर स्टेशन पहुंचे:- उन्होंने बताया कि मेरे निकलने के बारे में मारिया को पता चला तो उसने भी साथ चलने की गुजारिश की। फोन पर उसके परिवार से बातचीत हुई और 28 फरवरी को हम दोनों कीव के बुगजाला रेलवे स्टेशन के लिए पैदल निकले। दो दिन से कुछ खाया नहीं था। वह चल नहीं पा रही थी। मैंने उसका सामान लिया और फायरिंग से बचते-बचाते 5 किमी पैदल चल स्टेशन पहुंचे। वहां बहुत भीड़ थी। तीन ट्रेनें मिस हो गईं।अंकित ने बताया कि उसी दिन शाम 6 बजे धक्का-मुक्की के बीच किसी तरह ट्रेन में चढ़े। एक घंटे के सफर के बाद ट्रैक के किनारे जबरदस्त ब्लास्ट हुआ। फायरिंग शुरू हो गई। एक गोली खिड़की से होती हुई हमारे सिर के ऊपर से निकली। ट्रेन में सब सांस रोककर नीचे लेट गए। आखिर 1 मार्च को टर्नोपिल स्टेशन पहुंचे। वहां मारिया का संपर्क पाकिस्तानी दूतावास के अफसरों से हुआ। अधिकारियों ने हमें टर्नोपिल मेडिकल यूनिवर्सिटी के हॉस्टल में रखा। हमारे लिए कॉफी, ब्रेड, सूप की व्यवस्था की।

न्यूज ब्रीफ

जोकोविच को मिल सकता है फ्रेंच ओपन में खेलने का मौका

पेरिस। फ्रांस इस महीने अपने टीकाकरण नियमों में ढील दे रहा है जिससे स्टार टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच के इस साल फ्रेंच ओपन में खेलने का रास्ता साफ हो सकता है। फ्रांस के प्रधानमंत्री जीन कास्टेक्स ने गुरुवार को घोषणा की कि 14 मार्च से खेल स्टेडियम और रेस्टोरेंट जैसी जगहों पर जाने के लिए लोगों को कोविड-19 के खिलाफ टीकाकरण का सबूत नहीं दिखाना होगा। फ्रांस के पीएम के इस बयान के बाद टीकाकरण नहीं करवाने वाले जोकोविच को मई में रोलां गैरो में खेलने की स्वीकृति मिल सकती है बशर्ते दोबारा पाबंदियां कड़ी नहीं हों। कास्टेक्स ने कहा, 'हमारे सामूहिक प्रयासों से स्थिति में सुधार हो रहा है। पाबंदियों में छूट के नए चरण की शर्तों को पूरा किया गया है। सोमवार 14 मार्च से हम जहां भी टीकाकरण पास लागू है उसे निलंबित कर रहे हैं। जोकोविच को जनवरी में ऑस्ट्रेलिया से निर्वासित किया गया था। उन्होंने कानूनी लड़ाई लड़ी थी कि उन्हें देश में प्रवेश की स्वीकृति दी जाए या नहीं। इसके कारण वह ऑस्ट्रेलियाई ओपन में हिस्सा नहीं ले पाए थे। जोकोविच ने पिछले महीने बीबीसी से कहा था कि अगर टीकाकरण जरूरी है तो वह आगामी ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट से भी बाहर रहने को तैयार हैं। जोकोविच ने दो बार फ्रेंच ओपन खिताब जीता है और उनके नाम पर कुल 20 ग्रैंडस्लैम खिताब हैं जो रिकॉर्ड 21 एकल ग्रैंडस्लैम खिताब जीतने वाले राफेल नडाल से एक कम है। नडाल ने ऑस्ट्रेलियाई ओपन का खिताब जीता था।

पैटी ने सिंगापुर एलपीजीए में बनाई 1-स्ट्रोक की बढ़त

सिंगापुर। पेटी तवतनाकिट ने एलपीजीए की एचएसबीसी महिला विश्व चैम्पियनशिप के पहले दौर के बाद 5-अंडर 67 का स्कोर कर एक स्ट्रोक की बढ़त ले ली। टूर्नामेंट में महिला गोल्फ इतिहास की शीर्ष 10 रैंकिंग वाली नौ खिलाड़ी खेल रही हैं। दूसरे नंबर डेनिएल कांग बनी हुई हैं। विश्व के शीर्ष क्रम की प्लेयर जिन यंग तीन महीने बाद अपना पहला टूर्नामेंट खेल रही थी। टूर्नामेंट से पहले उन्होंने कहा कि मेरे लिए ब्रेक काफी लंबा नहीं था। मैं कोरिया वापस आ गई हूं, और मैंने अपने परिवार और दोस्तों के साथ समय बिताया।

रूस-यूक्रेन जंग के बीच मॉस्को में लहराया तिरंगा

मप्र के लड़के ने मार्शल आर्ट में जीता गोल्ड; मैट नहीं थी तो जमीन पर की प्रैक्टिस, सेना में भी चयन

भोपाल/नई दिल्ली

रूस और यूक्रेन में युद्ध छिड़ हुआ है। इस बीच मध्यप्रदेश के एक लड़के ने रूस की धरती पर भारत का झंडा लहरा दिया। खार्किव बॉर्डर से 740 किलोमीटर दूर रूस की राजधानी मॉस्को में वुशु गेम में भारत का नेतृत्व कर गोल्ड मेडल जीता। 22 साल के इस गोल्डन बॉय का इंटरनेशनल लेवल पर ये तीसरा गोल्ड मेडल है। वे अब तक 12 मेडल हासिल कर चुके हैं। अब उनकी नजर एशियाड गेम्स पर है। ऑटो ड्राइवर पिता के बेटे का इंटरनेशनल खिलाड़ी बनने तक का सफर आसान नहीं रहा। न सुविधाएं थीं और न पैसे। कठिन संघर्ष के बाद उन्होंने यह मुकाम हासिल किया। जानते हैं उनके संघर्ष की कहानीज गुना के रोहित जाधव। भार्गव कॉलोनी में रहते हैं। उनकी बचपन से ही खेल में रुचि थी। पिता सुनील जाधव सेना में जाना चाहते थे, लेकिन परिस्थितियों के कारण उनका सपना अधूरा रह गया। यह सपना उन्होंने बेटे में जीया। घर चलाने के लिए ऑटो चलाने लगे। बच्चों को प्राइवेट स्कूल में पढ़ाया। बेटा रोहित जब 8वीं में था, तब स्कूल में वुशू सिखाने के लिए कोच आए। यही उसकी जिंदगी का टर्निंग पॉइंट रहा। रोहित ने भी वुशू खेलना शुरू किया।

कोच को समझ आ गई प्रतिभा

वुशू में रोहित की प्रतिभा कोच धर्मेंद्र मांझी को समझ आ गई। इसके बाद उन्होंने उसे ज्यादा ट्रेनिंग देना शुरू कर दिया। जिला स्तर और प्रदेश स्तर के टूर्नामेंट में भेजा। वहां गोल्ड मेडल जीता, तो हौसला बढ़ता गया। जिला स्तर पर खेलने के लिए पर्याप्त संसाधन नहीं थे। वुशू में उपयोग होने वाले न तो वेपन थे और न मैट थी। इसके बाद उन्होंने जमीन पर ही खेलना शुरू कर दिया। वहीं से ट्रेनिंग शुरू हो गई। पिता बमुश्किल घर खर्च ही जुटा पाते हैं।

कोच ने दिए हिम्मत के पंख

ट्रेनिंग के लिए कोच ने रोहित को भोपाल ट्रेनिंग सेंटर में भिजवाया। वहां टेस्ट के बाद सिलेक्शन हो गया। 12 वर्ष की उम्र में वह जबलपुर ट्रेनिंग सेंटर पहुंच गए। वहां से फिर भोपाल पहुंचे। शहर से शुरू हुआ उनका सफर अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंच चुका है। स्पोर्ट्स कोटे से चार महीने पहले उनका सिलेक्शन असम राइफल्स में हुआ। रोहित ने बताया कि ओलिंपिक में अभी यह खेल शामिल नहीं है। एशियाड गेम्स में मेडल लाना उनका सपना है।

100वें टेस्ट में 45 रन बनाकर आउट हुए कोहली

मोहाली

श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट में टीम इंडिया टॉस जीतकर बल्लेबाजी कर रही है। भारत ने 45 ओवर में 3 विकेट खोकर 173 रन बना लिए हैं। ऋषभ पंत 2 रन और हनुमा विहारी 57 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं। विराट कोहली 45 रन बनाकर लसिथ एम्बुलदेनिया की गेंद पर बोल्ड हुए।

कोहली बने 8 हजारी

पूर्व भारतीय कप्तान विराट कोहली ने टेस्ट फॉर्मेट में अपने 8 हजार रन पूरे कर लिए हैं। कोहली ने पारी का 38वां रन बनाने के साथ ही टेस्ट में ये उपलब्धि हासिल की। टीम इंडिया के लिए 8,000 टेस्ट रन बनाने वाले विराट कोहली छठे खिलाड़ी बने हैं। उनसे पहले सुनील गावस्कर, सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़, वीवीएस लक्ष्मण और वीरेंद्र सहवाग ही यह उपलब्धि हासिल कर पाए हैं।

100वें टेस्ट में कोहली से शतक की उम्मीद की जा रही थी, लेकिन वह 45 रन बनाकर लसिथ एम्बुलदेनिया की गेंद पर बोल्ड हो गए। उन्होंने तीसरे विकेट के लिए हनुमा विहारी के साथ 155 रन पर 90 रन जोड़े। चेतेश्वर पुजारा की जगह नंबर 3 पर खेल रहे हनुमा विहारी ने शानदार बैटिंग करते हुए टेस्ट क्रिकेट में अपना 5वां अर्धशतक पूरा किया।

भारतीय टीम को 52 रन के स्कोर पर पहला झटका लगा। कप्तान रोहित शर्मा 28 बॉल पर 29 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, टीम का दूसरा विकेट 80 रन पर गिरा। मयंक अग्रवाल 33 रन बनाकर आउट हुए।

श्रीलंकाई गेंदबाजों ने ऐसे लिया रोहित- मयंक का विकेट

19वें ओवर की तीसरी गेंद पर लसिथ एम्बुलदेनिया ने मयंक अग्रवाल को खुद आउट किया। मयंक टर्न के लिए खेलने गए और गेंद सीधी रह गई। हनुमा विहारी ने मयंक को रिव्यू लेने के लिए मना कर दिया। विहारी का ये फैसला सही साबित हुआ। गेंद सीधे विकेट पर लग रही थी। रोहित शर्मा ने 10वीं ओवर की पांचवीं गेंद पर लाहिरू कुमारा की गेंद को लेग साइड में सीमा रेखा के बाहर भेजने का प्रयास किया, लेकिन वह कामयाब नहीं हो पाए और फाइन लेग बांउड्री पर कैच दे बैठे। वो 29 रन बनाकर आउट हुए। चौथे ओवर में श्रीलंका के लिए विश्वा फर्नांडो गेंदबाजी करने आए। इस ओवर में रोहित ने उन्हें तीन जोरदार चौके जड़ दिए। पहले टेस्ट में रहाणे और पुजारा की जगह हनुमा विहारी और श्रेयस अय्यर को मौका मिला है। भारत ने प्लेइंग इलेवन में 3 स्पिनर और 2 तेज गेंदबाजों को शामिल किया है।

रोहित युग की शुरुआत

बतौर टेस्ट कैप्टन रोहित शर्मा की ये पहली सीरीज है। रोहित भारत के 35वें टेस्ट कप्तान हैं। लिमिटेड ओवर मैचों में फुलटाइम कैप्टन बनने के बाद रोहित शर्मा ने 12 मैचों की कप्तानी की है, जिसमें उन्होंने एक भी मैच नहीं गंवाया है। हालांकि टेस्ट क्रिकेट में चुनौतियां काफी अलग होंगी। पिछले साल इंग्लैंड दौरे के बाद से रोहित ने एक भी टेस्ट मैच नहीं खेला है। वे 6 महीने बाद इस फॉर्मेट में वापसी कर रहे हैं।

श्रीलंका को दिखाना होगा दम

टी-20 सीरीज में खराब प्रदर्शन करने वाली श्रीलंकाई टीम से टेस्ट में अच्छे परफॉरमेंस की उम्मीद रहेगी। टीम में एंजेलो मैथ्यूज, दिमुथ करुणारत्ने, लाहिरू थिरिमाने जैसे खिलाड़ी है, जो इस फॉर्मेट के दिग्गज हैं।

कोहली का सम्मान

100वें टेस्ट से पहले द्रविड़ ने दी स्पेशल कैप

» विराट ने अनुष्का को गले लगाया तो शोर मचाने लगे दर्शक

मोहाली

मोहाली में आज कप्तान विराट कोहली अपना 100वां टेस्ट खेल रहे हैं। कोहली 100 टेस्ट खेलने वाले दुनिया के 71वें और भारत के 12वें खिलाड़ी बने हैं। टीम इंडिया के कोच राहुल द्रविड़ ने विराट को 100वें टेस्ट में स्पेशल कैप सौंपी। इस दौरान मैदान पर कोहली के साथ उनकी पत्नी अनुष्का शर्मा भी थी। कोहली को जब स्पेशल कैप सौंपी गई तो विराट अनुष्का को गले लगाते नजर आए।

कोहली के साथ काम करने पर हेसन बोले- उन्हें नहीं बता सकता कि कैसे बल्लेबाजी करनी है

मुंबई

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) के क्रिकेट संचालन निदेशक माइक हेसन का मानना है कि विराट कोहली जैसे खिलाड़ियों को कोई बल्लेबाजी करना नहीं सिखा सकता और यह सिर्फ उन पहलुओं में इजाफा करने से जुड़ा है जो इस क्रिकेटर को पहले से पता है। वर्ष 2019 में आरसीबी से जुड़ने के बाद से हेसन ने कोहली और एबी डिविलियर्स जैसे स्टार खिलाड़ियों के साथ काम किया है। कोहली जैसे खिलाड़ियों के साथ काम करने के संदर्भ में हेसन ने 'आरसीबी पोडकास्ट से कहा, 'निश्चित तौर पर आप उन्हें नहीं बता सकते कि बल्लेबाजी कैसे करनी है, यह अंतिम चीज होगी जो आप करोगे। यह सिर्फ इतनी सी बात है कि आपको उन पहलुओं में इजाफा करना है जो इन्हें पहले से पता है। पिछले सत्र तक आरसीबी की अगुआई करने वाले कोहली को इस फ्रेंचाइजी ने अपने साथ बरकरार रखा है। इंडियन प्रीमियर लीग का आगामी सत्र मुंबई और पुणे में 26 मार्च से खेला जाएगा। न्यूजीलैंड के कोच रह चुके हेसन ने कहा, 'जब आप प्रतियोगिता में खेलते हो तो आप नहीं चाहते कि किसी खिलाड़ी की तकनीक को लेकर अनिश्चितता पैदा की जाए। उन्होंने कहा, 'इसलिए हमारी अधिकांश कोचिंग या चर्चा इस बात पर होती है कि आपको कुछ ऐसी चीज दिखी जो ठीक नहीं हो, आपको कुछ समय इसे देखना होता है और फिर आप सवाल पूछते हो क्योंकि ये किसी कारण से दिग्गज खिलाड़ी हैं।

मैक्स वेरस्टैपेन का रैड बुल से 2028 तक करार प्रति सीजन कमाएंगे 54 मिलियन डॉलर

लंदन

फॉर्मूला वन वर्ल्ड चैंपियन मैक्स वेरस्टैपेन ने रेड बुल के साथ पांच साल का अनुबंध कर लिया है जिसके तहत वह 2028 तक टीम के साथ बने रहेंगे। मैक्स को इसके लिए प्रत्येक सीजन 54 मिलियन डॉलर

मिलेंगे जोकि भारतीय करंसी के हिसाब से 400 करोड़ रुपए से भी ज्यादा की रकम है। मैक्स ने पिछले ही साल लुईस हैमिल्टन को अबुधाबी ग्रांपी में हराकर पहली विश्व चैम्पियनशिप जीती थी। रेस में हैमिल्टन जीतते नजर आ रहे थे लेकिन मैक्स ने आखिरी क्षणों में जीत हासिल कर सबको चौका दिया था। रैड बुल के साथ दोबारा जुडने पर वेरस्टैपेन ने कहा कि मुझे वास्तव में रेड बुल रेसिंग का हिस्सा बनने में मजा आता है, इसलिए 2028 सीजन के लिए बने रहना एक आसान निर्णय था। मैं इस टीम से प्यार करता हूं और पिछला साल अविश्वसनीय था। 2016 में एक साथ आने के बाद से हमारा लक्ष्य चैंपियनशिप जीतना था और हमने ऐसा कर दिखाया। अब अगला लक्ष्य नंबर एक बने रहना है। रैड बुल बॉस क्रिश्चियन हॉर्नर ने कहा कि हमारा तत्काल ध्यान मैक्स के विश्व चैंपियनशिप खिताब को बनाए रखने पर है, लेकिन यह सौदा यह भी दर्शाता है कि वह टीम की भविष्य की योजना का अहम हिस्सा है। हम डिवीजन 2026 के लिए नए इंजन नियमों की दिशा में काम कर रहे हैं। हम यह सुनिश्चित करना चाहते थे कि उक्त कार के लिए हमारे पास सबसे अच्छा ड्राइवर हो।

SUPER HERO

यदि आप

किसी भी व्यक्ति को जानते हैं
जिसने, सामाजिक सरोकार में
असाधारण प्रदर्शन किया हो,
वह व्यक्ति आप स्वयं भी हो सकते हैं,
दोनों स्थिति में हमें पूर्ण विवरण, भेजें।

हम देश के असली नायक
SUPER HERO MP 2021
SUPER HERO IND 2021
खोज रहें हैं, उन्हें समाज, राष्ट्र के सामने लाना और
सम्मान दिलवाना, आपका-हमारा सयुंक्त प्रयास रहेगा।

Contact: Editorial Desk (Lifestyle),
ITDC News, 9826 220022
Email: responseitdc@gmail.com

PRESS ITDC ITDC NEWS
www.itdcindia.com

न्यूज ब्रीफ

महिला श्रम में भारत काफी पीछे

नई दिल्ली। संयुक्त राष्ट्र के वर्ष 2019 के आंकड़ों के अनुसार दुनिया में भारत की महिला श्रम शक्ति भागीदारी दर सर्वाधिक कम (वैश्विक औसत 53 प्रतिशत के मुकाबले 21 प्रतिशत) है। भारत की पुरुष श्रम शक्ति भागीदारी दर काफी ज्यादा (76 प्रतिशत) है और देश के भीतर यह विसंगति संयुक्त राष्ट्र लैंगिक असमानता सूचकांक (रैंकिंग वाले 162 देशों में से 123) के संबंध में भारत की निचली रैंकिंग में योगदान करती है। घर और अर्थव्यवस्था में लैंगिक सक्रियता पर प्यू रिसर्च सेंटर की नवीनतम सर्वेक्षण रिपोर्ट में माना गया ????है कि जब नौकरियां कम हों, तो महिलाओं के काम के प्रति दृष्टिकोण इसकी एक वजह हो सकती है। सर्वेक्षण में कहा गया है कि महिलाओं के समान अधिकारों पर वैश्विकजनमत के साथ व्यापक रूप से अनुरूपता होने के बावजूद, जब लैंगिक सक्रियता की बात आती है, तो सर्वेक्षण किए गए अधिकांश अन्य देशों के लोगों की तुलना में भारतीयों में अधिक रूढ़िवादी होने की प्रवृत्ति दिखती है। उदाहरण के लिए वर्ष 2013 से वर्ष 2019 तक सर्वेक्षण वाले 61 देशों में ग्लोबल एटीट्यूड सर्वे (2019) के संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों से पता चलता है कि औसतन 17 प्रतिशत इस कथन से पूरी तरह सहमत हैं, %जब नौकरियां बहुत कम होती हैं, तो महिलाओं की तुलना में पुरुषों को नौकरी के अधिकार अधिक होने चाहिए। लेकिन मोटे तौर पर इससे तीन गुना अधिक (55 प्रतिशत) भारतीय ऐसा ही कहते हैं। दरअसल सर्वेक्षण में शामिल केवल एक देश - ट्यूनीशिया (64 प्रतिशत) का हिस्सा ज्यादा है, जो इस विचार से पूरी तरह सहमत है कि अधिक बेरोजगारी के समय में पुरुषों के पास नौकरियों के अधिक अधिकार होने चाहिए। इस पैमाइश पर उत्तरी अमेरिका (4 प्रतिशत मध्य), पश्चिमी यूरोप (7 प्रतिशत), मध्य और पूर्वी यूरोप (14 प्रतिशत) तथा लैटिन अमेरिका (20 प्रतिशत) के लोगों की तुलना में भारतीय बहुत अधिक पारंपरिक हैं। वर्ष 2019 के ग्लोबल एटीट्यूड्स सर्वेक्षण में लैंगिक भूमिकाओं के बारे में भी एक सवाल पूछा, जो वर्ष 2019-2020 के प्यू इंडिया सर्वेक्षण में नहीं था = %किस तरह की शादी अधिक संतोषजनक होती है, एक तो वह जहां पति परिवार का भरण-पोषण करता है तथा पत्नी घर और बच्चों की देखभाल करती है या फिर वह जहां पति और पत्नी दोनों नौकरी करते हैं और एक साथ मिलकर घर और बच्चों की देखभाल करते हैं? भारतीय उन लोगों में शामिल हैं, जिनके द्वारा यह कहने की सबसे अधिक संभावना रहती है कि पति को परिवार के लिए भरण-पोषण करना चाहिए, जबकि पत्नी घर पर ध्यान केंद्रित करती है = 23 प्रतिशत के वैश्विक माध्य की तुलना में दस में से चार भारतीय पारंपरिक परिवार की इस सक्रियता को पसंद करते हैं। विभिन्न पैमाइश में भारतीय पुरुष महिलाओं की तुलना में इस बात की अधिक संभावना रखते हैं, हालांकि थोड़े ही कि वे लैंगिक भूमिकाओं में पारंपरिक दृष्टिकोण अपनाएंगे। उदाहरण के लिए 82 प्रतिशत पुरुषों का कहना है कि जब नौकरियां कम होती हैं, तो पुरुषों को नौकरियों के अधिक अधिकार मिलने चाहिए, जबकि 77 प्रतिशत महिलाएं इस दृष्टिकोण से इत्तफाक रखती हैं।

पैसों को कई जगह पर लगाएं : बाजार की अस्थिरता में मल्टी असेट फंड करते हैं मदद, जानिए कैसे निवेश कर सकते हैं

नई दिल्ली

2020 और 2021 शेयर बाजार निवेशकों के लिए काफी अलग साल थे। एक ऐसा समय जहां बाजार आगे की ओर बढ़ रहे थे और पैसा कमाना काफी आसान लग रहा था। जरूरत थी तो बस निवेश करने की। इक्विटी न केवल निवेशकों के पसंदीदा असेट क्लास के रूप में उभरी, बल्कि कई तो कुछ ज्यादा ही पैसा शेयर बाजार में लगा डाले।

अब पुरानी रणनीति कामयाब नहीं है

हालांकि अब 2022 में वह रणनीति कामयाब होती नहीं दिख रही है। इक्विटी बाजार अपने रिकॉर्ड ऊंचाई से काफी नीचे हैं। बाजार में अस्थिरता हावी हो गई है। कई लोगों को अब समझ में नहीं आ रहा है कि अलोकेशन में विविधीकरण या डायवर्सिफिकेशन कितना जरूरी होता है। निवेश के समय, विविधीकरण बहुत महत्वपूर्ण होता है। इसलिए अब एक मल्टी-असेट की रणनीति सफल निवेश की कुंजी बन गई है।

मल्टी असेट कई क्लास में निवेश करते हैं

ICICI प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड के जोनल हेड (उत्तर भारत) पंकज जवांजल कहते हैं कि सीधे शब्दों में कहें तो मल्टी-असेट निवेश में इक्विटी, फिक्स्ड इनकम, कैश और सोने जैसे विभिन्न असेट क्लासों में निवेश करना शामिल है। अलग-अलग आर्थिक और बाजार की परिस्थितियों में विभिन्न असेट क्लास अलग-अलग व्यवहार करते हैं।

सबका अपना एक समय होता है

वे कहते हैं कि प्रत्येक असेट क्लास का प्रदर्शन करने का अपना एक समय होता है। विविधीकृत होने से निवेशकों को बाजार के विभिन्न चक्रों से लाभ उठाने में मदद मिलती है। विविधीकृत का मतलब कई सेक्टर्स या असेट में निवेश करने से है। इसके अलावा, मल्टी-असेट निवेश पोर्टफोलियो की अस्थिरता को रोकने में मदद कर सकता है। जवांजल कहते हैं कि एक असेट क्लास में गिरावट संभावित रूप से दूसरे असेट क्लास में तेजी से संतुलित हो सकती है। लंबी अवधि के दौरान, पोर्टफोलियो को जोखिम से मुक्त करने के महत्व को कम करके नहीं आंका जा सकता है।

साल की शुरुआत में अनुमान लगाना मुश्किल

जब निवेश की बात आती है, तो किसी भी फाइनेंशियल वर्ष की शुरुआत में, कोई भी यह अनुमान नहीं लगा सकता है कि उस वर्ष कौन सा असेट क्लास बेहतर प्रदर्शन करेगा। अधिक से अधिक, एक व्यक्ति जो कर सकता है वह एक ठीक-ठाक अनुमान लगा सकता है। यह एक खेल की शुरुआत में विजेता का अनुमान लगाने जैसा है।

फीफा में भी विजेता बदलते रहते हैं

फीफा विश्व कप विजेता हो या असेट क्लास, विजेता हर साल बदलते रहते हैं। पिछले पांच फीफा विश्व कप में, पांच अलग-अलग देशों ने कप जीता है। 2002 में ब्राजील, 2006 में इटली, 2010 में स्पेन, 2014 में जर्मनी और 2018 में फ्रांस। इसी तरह भारतीय शेयर बाजार ने 2012 में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, लेकिन 2013 का साल ग्लोबल इक्विटी का रहा। भारतीय इक्विटी और फिक्स्ड इनकम के लिए 2014 एक अच्छा साल था। भारत के फिक्स्ड इनकम रिटर्न ने 2015 में कई देशों को पीछे छोड़ दिया। इंडिया इक्विटी ने 2017 में वापसी की और 2018 में लड़खड़ा गई। इसके बजाय, 2018 में सोने ने अच्छा प्रदर्शन किया।

एनएसई ने शुरू की नए एमडी सीईओ की खोज

विवादों के बीच नए अधिकारी के लिए होगी चुनौती, 25 मार्च तक कर सकते हैं अप्लाई

नई दिल्ली

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ने नए प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी की खोज शुरू कर दी है। इसके लिए उम्मीदवार 25 मार्च तक आवेदन कर सकते हैं। दरअसल, अभी के एमडी सीईओ विक्रम लिमये का कार्यकाल जून में खत्म हो रहा है और चाहें तो दोबारा भी अप्लाई कर सकते हैं। वे जुलाई 2017 को नियुक्त हुए थे। उस समय एक्सचेंज में को-लोकेशन की जांच हो रही थी और चित्रा रामकृष्णा की विदाई हो चुकी थी। उसके बाद लिमये को लाया गया था। यही हालात आज भी है। एक्सचेंज की जांच चल रही। CBI सहित कई एजेंसियां लगी हैं। इसके एक अधिकारी की गिरफ्तारी हो चुकी है।

NSE के MD **विक्रम लिमये**

उनका कार्यकाल इसी साल जून में खत्म होगा

2017 में उनकी सैलरी सालाना 8 करोड़ रुपए थी

चित्रा रामकृष्णा की 9.7 करोड़ रुपए सैलरी थी

लिमये के आने से पहले ही विवादों में था एक्सचेंज

लिमये के समय भी एक्सचेंज दिक्कत में था और आज भी वहीं पर दिक्कत में है। तब से लेकर अब तक कई बार एक्सचेंज पर सेबी ने जुर्माना लगाया है। अखबारों में दिए विज्ञापन में एनएसई ने कहा है कि उसे ढ्ढक्क में अनुभव रखने वाले उम्मीदवार की तलाश है। हालांकि लिमये ने कॉर्पोरेट गवर्नेंस और अन्य मामलों में एक्सचेंज को ठीक-ठाक तरीके से हैंडल किया। फिर भी पहले वाले जो मामले हैं वे अभी भी जारी हैं। एक्सचेंज ने कहा है कि उम्मीदवार के पास कॉर्पोरेट गवर्नेंस, एंटरप्राइज रिस्क मैनेजमेंट और कंप्लायंस मैनेजमेंट फ्रेमवर्क का अच्छा रिकॉर्ड होना चाहिए।

पब्लिक लिस्टेड कंपनी का अनुभव होना चाहिए

इसके मुताबिक, उम्मीदवार को पब्लिक लिस्टेड कंपनी के रूप में अनुभव होना चाहिए जो एक्सचेंज के ढ्ढक्क प्रोसेस को भी पूरा कर सके। बता दें कि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज 6 सालों से इश्यू लाने की कोशिश कर रहा है, पर अभी भी नहीं ला पाया है। उसके 10 हजार करोड़ रुपए के इश्यू को सेबी की मंजूरी नहीं मिल पाई है।

सैलरी कमिटी करेगी नाम का फाइनल

अंतिम तारीख के बाद चुने गए उम्मीदवार को सैलरी कमिटी द्वारा फाइनल किया जाएगा। एक्सचेंज की ओर से सेटअप की गई सिलेक्शन कमिटी उम्मीदवार के नाम की सिफारिश करेगी। इसके बाद फाइनल मंजूरी के लिए इसे सेबी के पास भेजा जाएगा।

लिमये को 8 करोड़ की सैलरी मिलती थी

एनएसई एमडी और सीईओ के रूप में विक्रम लिमये को 2017 में सालाना 8 करोड़ रुपए की सैलरी मिलती थी। वे उस समय फाइनेंशियल सेक्टर में दूसरे सबसे ज्यादा सैलरी पाने वाले अधिकारी थे। उनसे पहले HDFC बैंक के एमडी सीईओ आदित्य पुरी को सालाना 9.7 करोड रुपए की सैलरी मिलती थी। हालांकि इसके अलावा स्टॉक ऑप्शन और अन्य सुविधाएं भी होती हैं। एनएसई में स्टॉक ऑप्शन की सुविधा नहीं है।

IDFC में लिमये को 3 करोड़ मिलती थी सैलरी

लिमये को IDFC में 2016-17 में 3 करोड़ रुपए की सैलरी मिलती थी। हालांकि लिमये की सैलरी चित्रा से कम थी। चित्रा को 9.12 करोड़ रुपए का वेतन मिलता था। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज के एमडी आशीष चौहान को 2017 में 3.3 करोड़ रुपए की सैलरी मिलती थी। BSE का तब वैल्यूएशन 5,365 करोड़ रुपए था जबकि एनएसई का वैल्यूएशन 40 हजार करोड़ रुपए था।

यूक्रेन संकटः गेहूं निर्यात की पहल

नई दिल्ली

भारत विदेश में राजनयिक अभियान के अपने नेटवर्क पर ध्यान देने की कोशिश कर रहा है ताकि देश के अनाज निर्यातक गेहूं और मक्के को दुनिया में भेजने में सक्षम हो सकें क्योंकि आने वाले कुछ वक्त तक रूस और यूक्रेन से आपूर्ति बाधित रहने की आशंका है। दो अनाजों के निर्यात की बात करें तो इनमें मक्के की तुलना में गेहूं का निर्यात आसान हो सकता है क्योंकि घरेलू स्तर पर भी इसकी अधिकता है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने कहा, %हम अपने निर्यातकों को दिलासा दे रहे हैं और विदेश में विभिन्न भारतीय मिशनों का समर्थन हासिल करने की कोशिश की जा रही है।% रूस के संकट की वजह से दुनिया में गेहूं की कीमतों में उछाल आई है और अमेरिका में गेहूं का वायदा कारोबार 2008 के बाद से अपने उच्चतम स्तर तक पहुंच गया है। भारत के गेहूं की गुणवत्ता, स्वाद और बनावट की तुलना रूस के लाल सागर क्षेत्र से प्रभावित गेहूं से की जा सकती है और यह यूक्रेन और रूस के गेहूं की भरपाई करने के लिए उपयुक्त है। एक प्रमुख वैश्विक कारोबारी कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, दुनिया भर में कहीं भी जहां मिल में भेजने लायक गेहूं की जरूरत है वहां भारत इस अंतर को कम कर सकता है क्योंकि हमारी कीमतें अत्यधिक प्रतिस्पर्धी हैं।% पहले ही, कुछ रिपोर्टों में कहा गया है कि लेबनान भारतीय गेहूं खरीदने की कोशिश कर रहा है जबकि कुछ दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों ने रूस-यूक्रेन संकट के बाद से लगभग 400,000 टन गेहूं का ऑर्डर दिया है।

अप्रैल से महंगी हो सकती हैं दवाएं

मुंबई

इस साल अप्रैल से अधिसूचित दवाएं 10 प्रतिशत तक महंगी हो सकती हैं। राष्ट्रीय दवा मूल्य नियामक थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) में हुए बदलाव के हिसाब से इन दवाओं की कीमतें बढ़ाने की इजाजत दे सकता है। भारत में 1.6 लाख करोड़ रुपये मूल्य के दवा बाजार में अधिसूचित दवाओं की हिस्सेदारी 17-18 प्रतिशत है। अधिसूचित दवाओं का मूल्य सरकार तय करती है। राष्ट्रीय औषधि मूल्य प्राधिकरण (एनपीपीए) औषधि मूल्य नियंत्रण आदेश, 2013 के दायरे में आने वाली दवाओं का मूल्य निर्धारित करता है। हर साल मार्च में नियामक थोक महंगाई में सालाना बदलाव देखकर तय करता है कि दवा कंपनियां दाम कितने बढ़ा सकती हैं। अधिसूचित दवाएं आवश्यक दवाओं की राष्ट्रीय सूची (एनएलईएम) में आती हैं। इस सूची में एंटीबायोटिक , विटामिन, मधुमेह, रक्तचाप नियंत्रक सहित अन्य दवाएं आती हैं। दवा कंपनियां गैर-अधिसूचित दवाओं के दाम हर साल 10 प्रतिशत तक बढ़ा सकती हैं। बढ़ी हुई कीमतें प्रत्येक वर्ष 1 अप्रैल से प्रभावी होती हैं। गैर-अधिसूचित दवाएं मूल्य नियंत्रण के दायरे में नहीं आती हैं। दवा उद्योग को लगता है कि डब्ल्यूपीआई में बदलाव के आधार पर एनपीपीए अधिसूचित दवाओं की कीमतों में 10 प्रतिशत बढ़ोतरी की अनुमति दे सकता है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय में आर्थिक सलाहकार के कार्यालय के अनुसार जनवरी 2022 में थोक मूल्य महंगाई 12.96 प्रतिशत थी जो जनवरी 2021 में 2.51 प्रतिशत थी। एनपीपीए के साथ काम कर चुके एक पूर्व सरकारी अधिकारी ने कहा, इस वर्ष अप्रैल में अधिसूचित दवाओं की कीमतें बढ़ीं तो यह डीपीसीओ 2013 के बाद से दाम में सबसे बड़ा इजाफा होगा।

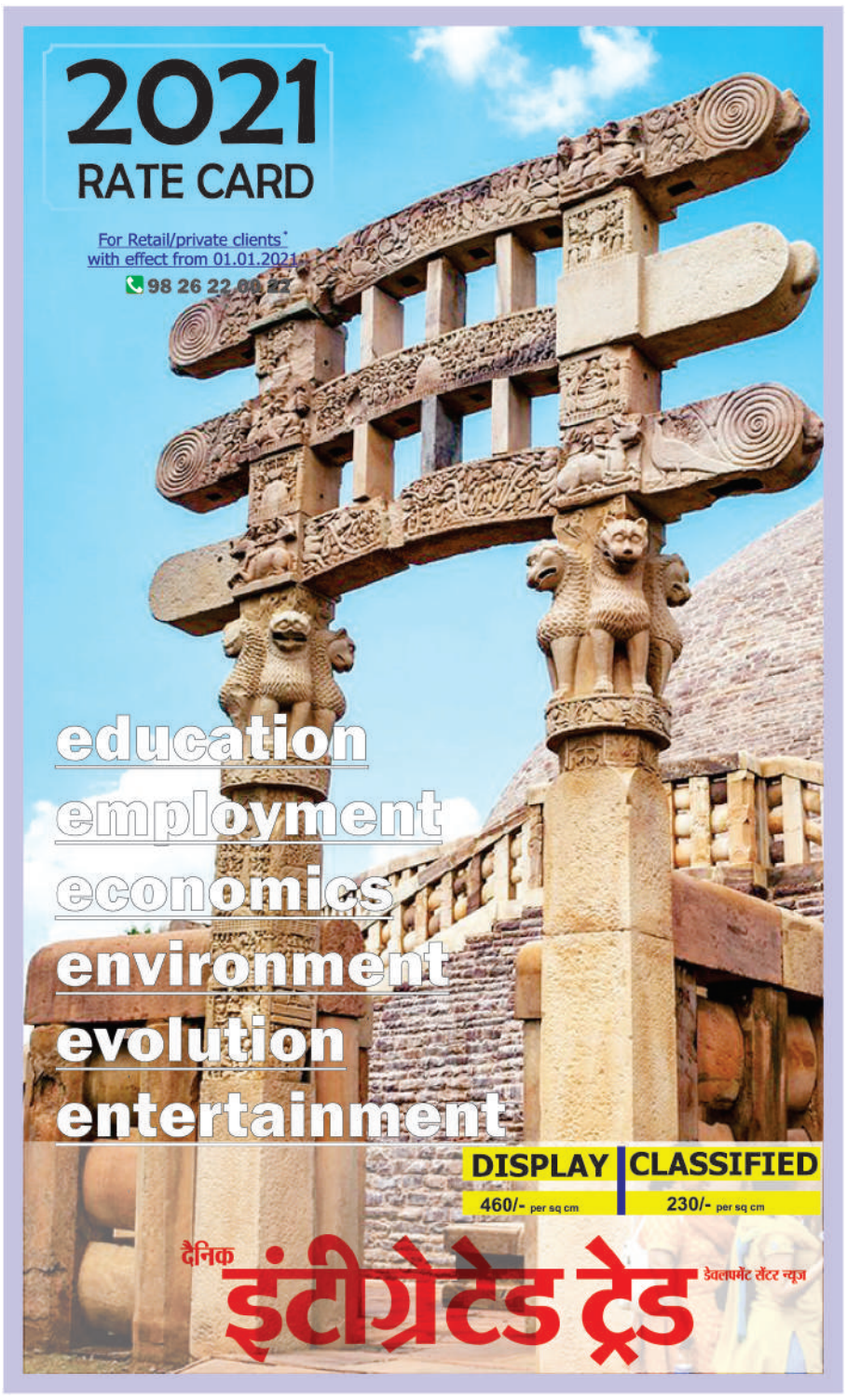

वोडा आइडिया का फंड रेजिंग प्लान

कर्ज में डूबी कंपनी 14,500 करोड़ रुपए जुटाएगी, प्रमोटर्स को 20 फीसदी प्रीमियम पर 3.39 अरब शेयर जारी करेगी

नई दिल्ली

कर्ज में डूबी टेलीकॉम कंपनी वोडाफोन आइडिया के बोर्ड ने गुरुवार को 14,500 करोड़ रुपए के फंड रेजिंग प्लान को मंजूरी दे दी। इक्विटी और डेट इंस्ट्रूमेंट्स के जरिए 10,000 करोड़ रुपए जुटाए जाएंगे। जबकि कंपनी अपने प्रमोटर्स यूरो पैसिफिक सिक्योरिटीज लिमिटेड, प्राइम मेटल्स लिमिटेड और ओरियाना इन्वेस्टमेंट्स को 3.39 अरब शेयर 20 फीसदी प्रीमियम पर 13.30 रुपए के भाव से जारी करेगी। इससे 4500 करोड़ रुपए जुटाए जाएंगे।

यूरो पैसिफिक सिक्योरिटीज लिमिटेड और प्राइम मेटल्स लिमिटेड वोडाफोन ग्रुप की फर्म हैं जबकि ओरियाना इन्वेस्टमेंट्स आदित्य बिड़ला ग्रुप की कंपनी है। वोडाफोन आइडिया में को-प्रमोटर्स के रूप में वोडाफोन ग्रुप और आदित्य बिरला ग्रुप के पास 44.39 फीसदी और 27.66 फीसदी की हिस्सेदारी है। गुरुवार को वोडाफोन आइडिया का शेयर 5.74 फीसदी बढ़कर 11.05 रुपए पर बंद हुआ। बोर्ड ने 26 मार्च को एक्स्ट्राऑर्डिनरी मीटिंग भी बुलाई है।

इंडस टावर्स में 2.4 फीसदी हिस्सेदारी बेची

पिछले हफ्ते वोडाफोन ग्रुप ने ब्लॉक डील के जरिए इंडस टावर्स में 2.4 फीसदी हिस्सेदारी बेचकर करीब 1,442 करोड़ रुपए जुटाए थे। भारती एयरटेल ने भी वोडाफोन ग्रुप से इंडस टावर्स में अतिरिक्त 4.7 फीसदी हिस्सेदारी हासिल करने का फैसला किया है। दोनों कंपनियों ने इस शर्त पर एग्रीमेंट साइन किया है कि वोडाफोन इस आय का उपयोग वोडाफोन आइडिया (वीआई) में निवेश करने के लिए करेगी और बाद में इंडस टावर्स को पेमेंट करेगी वोडाफोन आइडिया ने त्तस्न्ङ्ग22 में 7,230.9 करोड़ रुपए का कंसोलिडेटेड नेट लॉस दर्ज किया है जबकि त्तस्न्ङ्ग21 में 4,532.1 करोड़ रुपए का नेट लॉस हुआ था। क्वार्टर ऑन क्वार्टर रेवेन्यू 3.3 फीसदी सुधरकर 9,720 करोड़ रुपए रहा था। रेवेन्यू में सुधार की वजह नवंबर 2021 में की गई टैरिफ बढ़ोतरी थी।

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलप सेंटर न्यूज के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक राधिका वीरेंद्र, स्वामी- इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हलेपमेंट सेंटर इंडिया ईप्रेस द्वारा साई प्रिंटर्स, 91 जहांगीराबाद भोपाल से मुद्रित करवाकर, श्री परिसर, 23 पश्चिम निशातपुरा, डीआईजी बंगला, भोपाल से प्रकाशित। संपादक- राधिका वीरेंद्र।
आरएनआई क्र. MPHIN/2018/77221, फोन- 0755-42223334, पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। (सभी विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल होगा।)